मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, सोमवार 05 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-174, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in



फ्रांस में हिंसक हुआ छात्र आंदोलन 5,000 गिरफ्तार, शिक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त फंडिंग न होने पर संघर्ष जारी

पेरिस। फ्रांस में स्कूलों की खराब हालत, शिक्षकों की कमी और कक्षाओं में बढ़ती भीड़ के खिलाफ छात्रों का आंदोलन उग्र हो गया है। पेरिस पुलिस प्रमुख पैट्रिस फॉर ने कहा कि छात्र आंदोलन अब नियंत्रण से बाहर हो चुका है और प्रदर्शनकारियों से हिंसा व स्कूलों की घेराबंदी छोडकर शांतिपूर्ण तरीके अपनाने की अपील की। फ्रांस के कई हिस्सों में हाई स्कूल छात्रों और दंगा-रोधी पुलिस के बीच झड़पें हुईं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की सरकार पर शिक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त फंडिंग नहीं करने के आरोप लग रहे हैं। शिक्षक यूनियनों ने भी हड़ताल का आह्वान किया है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार से अब तक देशभर में करीब 5,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें अधिकांश किशोर हैं। इस दौरान दर्जनों लोग घायल हुए हैं, जबकि राष्ट्रीय पुलिस की प्रवक्ता अगाथ फूको ने बताया कि 600 से अधिक पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए हैं।

पुलिस प्रमुख फॉर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खुले पत्र में कहा कि आंदोलन शुरू करने वाले छात्र अब इस पर नियंत्रण नहीं रख पा रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी बच्चों को कथित पेशेवर दंगाइयों और उनके समर्थकों के प्रभाव से दूर रखने की अपील की। छात्र संगठनों ने मंगलवार को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का आह्वान किया है। सुरक्षा एजेंसियों को खासतौर पर मध्य पेरिस में हिंसा बढ़? की आशंका है, क्योंकि अधिकारियों को डर है कि वामपंथी अराजकतावादी समूह इस आंदोलन का फायदा उठा सकते हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि स्कूलों में कक्षाएं जरूरत से ज्यादा भरी हुई हैं।

प्रकृति पूजक जनजातीय समुदाय प्रदेश की धरोहर

प्रदेश के 21 लाख से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को दी जाएगी बोनस राशि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रकृति पूजक जनजातीय समुदाय प्रदेश की धरोहर है। हम सबको प्राणवायु देने वाले वनों की सुरक्षा, इनके संवर्धन और प्रबंधन में जनजातियों का योगदान अतुलनीय है। ऐसे सभी जनजातीय भाई-बहनों और तेंदूपत्ता संग्राहकों को उनका वाजिब हक, मेहनत का पूरा सम्मान दिलाना तथा इनके सभी हितों की सुरक्षा हमारा संकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनोपजों से जुड़ी आजीविका को मजबूत कर जनजातीय परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि तेंदूपत्ता संग्राहकों और वनोपज से जुड़े परिवारों के हितों को मजबूत करना ही राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को मण्डला जिले में प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए हुए प्रशिक्षण-सह-जागरूकता कार्यक्रम तथा तेंदूपत्ता बोनस वितरण कार्यक्रम में सहभागिता की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां प्रदेश के 8 वन मंडलों के 9 लाख 4 हजार 126 तेंदूपत्ता संग्राहकों को वर्ष 2024 के बोनस के रूप में 36 करोड़ 17 लाख 37 हजार 518 रुपये की बोनस राशि का अंतरण किया। मंडला जिले के पूर्व और पश्चिम वन मंडल, सिवनी जिले के उत्तर एवं दक्षिण वन मंडल, बालाघाट जिले के उत्तर और दक्षिण वन मंडल सहित डिण्डोरी एवं जबलपुर वन मंडल के तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस राशि का लाभ मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 21 लाख से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को वर्ष 2024 के बोनस के रूप में लगभग 139 करोड़ रुपए से अधिक की बोनस राशि वितरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मण्डला जिले के जंगलों की रक्षा में वन विभाग को सहयोग देने वाली 84 वन समितियों के करीब 40 हजार सदस्यों को 26 करोड़ 56 लाख 53 हजार 929 रुपये की काष्ठ लाभांश राशि भी वितरित की। मुख्यमंत्री ने कन्या पूजन, रानी दुर्गावती, एवं राजा शंकर शाह-कुंवर रघुनाथ शाह के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।



इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंडला जिले को लगभग 460 करोड़ रुपए की लागत वाले 74 विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। इसमें 263 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 47 विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं 197 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 27 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां 75.28 करोड़ रुपए से बनने वाले 19 शासकीय हाईस्कूल शाला भवनों, 33.92 करोड़ रुपए से मंडला में बनने वाले नवीन एकीकृत कलेक्टर कार्यालय भवन, 14.80 करोड़ रुपए से मंडला में बनने वाले नर्सिंग कॉलेज भवन तथा 1 करोड़ रुपए से मंडला में स्थापित होने वाले ट्राईबल मल्टीपर्पज मार्केटिंग सेंटर (टीएमएमसी) के भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। साथ ही 137.11 करोड़ रुपए की लागत से निवास, बिछिया, घुटास और सागर कस्बे में नवनिर्मित चार सांदीपनि विद्यालय भवनों का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर किसान कल्याण वर्ष पर केन्द्रित प्रदर्शनी में विभिन्न शासकीय विभागों के स्टॉल्स का अवलोकन किया तथा मुख्यमंत्री स्कूटी योजना के तहत जिले के मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने इन होनहार विद्यार्थियों को स्कूटी की चाबी देकर अपने हाथों से हेलमेट पहनाया और इन्हें खूब पढ़-लिखकर आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया।

मुख्यमंत्री की प्रमुख घोषणाएं

स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंडला जिले के लिए कई घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि मंडला जिले के मोहगांव और घुघरी में शासकीय महाविद्यालय खोला जाएगा। मंडला में लघु वनोपज का बहुतायत में संग्रहण होता है। इसीलिए मंडला में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के अधीन लघु वनोपज की प्रोसेसिंग यूनिट खोली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस जिले में देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को वन्य जीवों के देखने की स्थानीय सुविधा के लिए मंडला में टाइगर सफारी जू बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले इस जिले में पान की खेती हुआ करती थी, यह स्थानीय लोगों की आमदनी का बड़ा जरिया थी। इसीलिए अब मंडला में पान की खेती पुनः प्रारंभ की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में मध्यप्रदेश में देश का 12 प्रतिशत दूध उत्पादन हो रहा हैं। हम इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक लेकर जाएंगे। इस लक्ष्य की दिशा में हम दूध उत्पादन से पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने के लिए बड़ी संख्या में दुग्ध सहकारी समितियां बना रहे हैं। मंडला जिले में भी आवश्यकतानुसार दुग्ध सहकारी समितियां बनाई जाएंगी और गौपालकों को उनके दूध उत्पादन का सही दाम दिलाया जाएगा।

रौद्र रूप में गोमती नदी की बाढ़

कई इलाकों में जीवन ठहरा खाने तक के लिए मारा-मारी



एजेन्सी, **नई दिल्ली**

गोमती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने से रविवार को दुबग्गा के जेहटा रोड समेत आसपास के इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंच गया। शाम छह बजे तक जेहटा-माल रोड पर करीब डेढ़ फीट पानी बहने लगा था। माल और इटौंजा के ग्रामीण क्षेत्रों में भी हालात बिगड़ते जा रहे हैं। प्रशासन के मुताबिक, अगले 24 घंटे में गोमती का जलस्तर दो फीट तक और बढ़ सकता है।

प्रशासन की टीम ने हयात नगर मोड़, दौलतखेड़ा, सैथा और बरावन कला समेत प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी। पहली मंजिल पर रहने वालों को दूसरी मंजिल पर शिफ्ट होने और गर्भवती महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए कहा गया। बाढ़ प्रभावित इलाकों के लिए 10 नावों की सुविधा शुरू की गई है।

ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि बाढ़ से धान, सब्जियों समेत अन्य फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। डीएम ने एक हजार से अधिक बीघा फसल और सब्जियों के नुकसान का सर्वे कराने के निर्देश दिए। किसानों को नियमानुसार सरकारी सहायता का भरोसा दिया गया।

कैप्टन स्मित पूरी दुनिया के हीरो, नेतन्याहू ने की तारीफ

एजेन्सी, **तेल अवीव**

पीएम मोदी के साथ स्वतंत्रता दिवस का दिया न्योता

आसमान में हजारों फीट की ऊंचाई पर जब मौत सामने खड़ी थी, तब एक भारतीय पायलट के लोहे जैसे इरादों ने सैकड़ों जिंदगियों को कैश होने से बचा लिया। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में कॉकपिट के भीतर हुई इस हैरतअंगेज वारदात के बाद अब इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुद भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर को फोन करके उनकी जांबाजी की तारीफ की है। उन्होंने स्मित को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इजरायल के स्वतंत्रता दिवस का न्योता दिया है। फोन पर बात करते हुए पीएम नेतन्याहू काफी भावुक हो गए।

उन्होंने कहा, ह्यआप सिर्फ भारत या इजरायल के ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के असली हीरो हैंह्न। इसके साथ ही नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित को पीएम मोदी के साथ इजरायल के स्वतंत्रता दिवस समारोह में खास मेहमान के रूप में न्योता दिया। इस ऐतिहासिक मौके पर वे इजरायल की मुख्य ह्यमशाल टॉर्चह्न प्रज्वलित करेंगे। आमतौर पर यह सम्मान सिर्फ इजरायल की महान हस्तियों को ही मिलता है। पीएम नेतन्याहू ने कहा कि पूरा इजरायल उनके स्वागत किए तैयार है।



अलकायदा की खुली धमकी, आगे भी होंगे ऐसे हमले

दुबई। अल-कायदा से जुड़े पब्लिकेशन ने अमरीकी और इजरायली यात्रियों वाले विमानों को निशाना बनाने की धमकी दी है। संगठन समर्थक अल-बयान के ताजा अंक में अमरीका में हुए 9/11 आतंकी हमलों का भी जिक्र किया गया। इसमें कहा गया कि युद्ध खत्म नहीं हुआ है। अमरीका, इजरायल और इस्लाम के खिलाफ लड? वालों को ले जाने वाले विमान अब भी उड़ रहे हैं और उन्हें निशाना बनाया जा सकता है।

असम कैबिनेट का फैसला

पूर्व अग्निवीरों को पुलिस समेत कई नौकरियों में 12% आरक्षण

एजेन्सी, **गुवाहाटी**



असम सरकार ने राज्य के पूर्व अग्निवीरों के लिए पुलिस और उससे जुड़ी सेवाओं में 12 प्रतिशत नौकरी आरक्षण को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को कैबिनेट बैठक के बाद इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के स्थायी निवास वाले पूर्व अग्निवीरों के लिए पुलिस, असम पुलिस रेडियो संगठन (एपीआरओ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं, वन रक्षक और आबकारी विभाग में 11 श्रेणियों की भर्ती में 12 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

कैबिनेट ने वाहनों के स्वामित्व हस्तांतरण पर ग्रीन सेस लगाने को भी मंजूरी दी है। अधिकारियों के मुताबिक, इससे मिलने वाली राशि का इस्तेमाल राज्य में चल रहे वनीकरण और संरक्षण कार्यों को समर्थन देने के लिए किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों, सीएनजी वाहनों, दोपहिया और तिपहिया वाहनों पर यह ग्रीन सेस लागू नहीं होगा। वाहन मालिक की मृत्यु के कारण स्वामित्व हस्तांतरण होने पर भी यह शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

सरकार ने शिलांग स्थित असम रेजिमेंटल सेंटर में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए एकमुश्त 10 करोड़ रुपये देने को मंजूरी दी है। इसके अलावा, सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए लोक निर्माण विभाग के भवन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग घटक को पीडब्ल्यूडी रोड्स से अलग करने का फैसला लिया गया है।

राज्य में उत्तराखंड-गुजरात की तरह UCC लागू होगा; मठ-मंदिरों पर हमले भी बर्दाश्त नहीं

शुभेंदु बोले-6 महीने में लव जिहाद के खिलाफ कानून आएगा

एजेन्सी, **कोलकाता**

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा है कि 6 महीने में लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ सख्त कानून लाए जाएंगे। साथ ही राज्य में उत्तराखंड और गुजरात की तरह समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। कोलकाता में विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंघल की जन्मशताब्दी समारोह के दौरान कही।

अधिकारी ने कहा कि BJP सरकार संविधान के अनुसार काम करेगी, लेकिन भारतीय संस्कृति, परंपरा और पूजा स्थलों पर हमले बर्दाश्त नहीं करेगी। पश्चिम बंगाल सरकार ने वउउ का मसौदा तैयार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में हाईलेवल कमेटी बनाई है। मई 2026 में असम विधानसभा में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पारित किया गया था। इसी के साथ असम देश का तीसरा ऐसा राज्य बन गया है। इससे पहले उत्तराखंड और गुजरात ऐसा कर चुके हैं।

संविधान के अनुसार काम करेंगे संस्कृति पर हमला नहीं सहेंगे

अधिकारी ने कहा, आप निश्चिंत रहें कि सरकार संविधान के अनुसार काम करेगी। लेकिन भारतीय संस्कृति, सनातनी परंपराओं, मंदिरों और मठों पर कोई हमला नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि सरकार उस विरासत पर भी हमला नहीं होने देगी, जिसे स्वामी विवेकानंद और महाप्रभु श्री चैतन्य जैसे आध्यात्मिक महापुरुषों ने आगे बढ़ाया है। वउउ पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल इसे लागू करने में उत्तराखंड और गुजरात को फॉलो किया जाएगा।

उन्होंने सभा में कहा, हमें 6 महीने दीजिए, हम लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ सख्त कानून भी लाएंगे। UCC में शादी, तलाक, विरासत और गोद लेने के नियम शामिल होंगे सरकारी अधिसूचना के मुताबिक, पश्चिम बंगाल वउउ बिल का मकसद सभी समुदायों के लिए नागरिक कानूनों को एक जैसा करना है। इसमें शादी, तलाक, विरासत और गोद लेने से जुड़े मामले शामिल होंगे। 2026 के विधानसभा चुनाव में BJP ने UCC को अपने प्रमुख चुनावी वादों में शामिल किया था।



बंगाल में यूसीसी क्यों जरूरी

यूसीसी का उद्देश्य: धर्म के आधार पर अलग-अलग व्यक्तिगत कानूनों की जगह शादी, तलाक, विरासत, गोद लेने जैसे नागरिक मामलों में समान नियम लागू करना।

समर्थन में तर्क: समर्थकों के अनुसार इससे अलग-अलग समुदायों के लिए अलग नियम कम होंगे और खासकर महिला अधिकारों में समानता बढ़ सकती है।

विरोध/चिंता: विरोध करने वालों का तर्क है कि अलग-अलग धार्मिक और आदिवासी समुदायों की परंपराओं को एक कानून में लाने से उनके व्यक्तिगत अधिकार और प्रथाएं प्रभावित हो सकती हैं।

बंगाल में खास महत्व: मुस्लिम आबादी करीब 27% है, इसलिए यूसीसी का असर राज्य की बड़ी आबादी के व्यक्तिगत कानूनों पर पड़ेगा; इसलिए कानून का मसौदा और उसके प्रावधान ज्यादा मायने रखेंगे।

संवैधानिक आधार: संविधान का अनुच्छेद 44 राज्य को पूरे देश में नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास करने का निर्देश देता है।

दो राज्यों में यूसीसी बिल पारित, एक में लागू

जनवरी 2025: उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्यः 6 फरवरी 2024 को विधानसभा में वउउ विधेयक पेश हुआ। 7 फरवरी 2024 को पारित हुआ। 11 मार्च 2024 को राष्ट्रपति ने यूसीसी विधेयक को मंजूरी दी। क्रियान्वयन समिति ने 18 अक्टूबर 2024 को नियमावली सरकार को सौंपी। 20 जनवरी 2025 को नियमावली को कैबिनेट की मंजूरी मिली। इस तरह उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बन गया।

मार्च 2026: गुजरात यूसीसी बिल पास करने वाला दूसरा राज्य बनाः गुजरात विधानसभा में मार्च 2026 में यूनिफॉर्म सिविल कोड बिल पास कराया गया था। गुजरात वउउ बिल पास करने वाला देश का दूसरा राज्य बना है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश किया था। विधानसभा में बिल पर वोटिंग के दौरान कांग्रेस ने वॉकआउट कर दिया था। बिल बहुमत से पास हो गया।

बुजुर्गों के अनुभव समाज की अमूल्य पूंजी

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा मेरा योगदान के तहत वृद्धाश्रम में की सेवा





■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस एवं उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा, सुशासन और जनकल्याण की यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित एक माह के 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी द्वारा निरंतर विभिन्न सेवाकार्यों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के तहत बाजनामठ समीप स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों की सेवा एवं उनके साथ आत्मीय संवाद किया गया। सेवा मेरा योगदान अंतर्गत वृद्धों की सेवा में सांसद आशीष दुबे, सुमित्रा बाल्मीकि जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, कार्यक्रम प्रभारी जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, प्रदेश प्रवक्ता वाणी अहलूवालिया, निशक्त जन कल्याण प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक संदीप रजक, महामंत्री श्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल ने मुख्य रूप से उपस्थित होकर बुजुर्गो से संवाद कर उनका सम्मान किया। इस दौरान उपस्थितजनों ने वृद्धों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उन्हें आवश्यक सामग्री भेंट की गई । इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा को सबसे बड़ा संस्कार माना गया है। वृद्धजन हमारे परिवार, समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभवों में जीवन की सीख और संघर्षो की गाथा समाहित है। ऐसे में वृद्धों के बीच पहुंचकर उनके साथ समय बिताना केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि उनके प्रति सम्मान, अपनत्व व्यक्त करने का माध्यम है। रत्नेश सोनकर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में सेवा ही संगठनकी भावना को निरंतर मजबूत किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य भी यही है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार राष्ट्र और समाज के प्रति अपना योगदान दे। 'सेवा मेरा योगदान' इसी भावना को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहा है। रत्नेश सोनकर ने कहा कि सेवा मेरा योगदान का संदेश प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए ताकि व्यक्ति रक्तदान करके, कोई स्वास्थ्य शिविर में सहयोग देकर, जरूरतमंदों को सामग्री उपलब्ध कराकर, वृद्धजनों के साथ समय बिताकर समाज के प्रति अपना योगदान दे सके , बुजुर्गो के आशीर्वाद और उनके अनुभव समाज को नई दिशा देने की शक्ति रखते हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर सेवा, संवेदना, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे है। सांसद श्री आशीष दुबे ने कहा कि जीवन में परिवार और समाज के बीच संवाद एवं आत्मीयता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजनों के पास जीवन का व्यापक अनुभव है, जिसे युवा पीढ़ी को समझने और उससे सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गो की सेवा करना हमारा सामाजिक और नैतिक दायित्व है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी समाज के हर वर्ग की चिंता करते हैं ताकि समाज का हर वर्ग बराबरी से एक साथ आगे बढ़े और भारत के नवनिर्माण में अपना सहयोग प्रदान करे। राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि ने कहा कि वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गो को केवल सुविधाओं की नहीं, बल्कि अपनत्व, सम्मान और अपनेपन के एहसास की भी आवश्यकता होती है। उनके साथ कुछ समय बिताना, उनकी बातें सुनना और उन्हें यह महसूस कराना कि समाज उनके साथ खड़ा है, अपने आप में महत्वपूर्ण सेवा है।ऐसे सेवा कार्यों से सामाजिक सरोकार मजबूत होता है। समाज के जरूरतमंद, वंचित और वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए निरंतर कार्य किया जाना चाहिए। सेवा कार्यों को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए उन्हें सामाजिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है।

अखिल भारतीय रेलवे शतरंज प्रतियोगिता आज से

जबलपुर। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड, नई दिल्ली के तत्वावधान में पश्चिम मध्य रेलवे खेलकूद संघ, जबलपुर द्वारा 38वीं अखिल भारतीय रेलवे शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन रेलवे स्टेडियम, जबलपुर में दिनांक आज से किया जा रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ समारोह आज प्रातः 09:30 बजे आयोजित किया जाएगा। समारोह में पश्चिम मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक एकनाथ मोहकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे।इस अखिल भारतीय प्रतियोगिता में भारतीय रेलवे की समस्त जोनल रेलवे की शतरंज टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके अनेक प्रतिष्ठित खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। इन खिलाड़ियों ने देश एवं अपने-अपने प्रदेशों का नाम गौरवान्वित किया है। इन खिलाड़ियों ने देश एवं अपने-अपने प्रदेशों का नाम गौरवान्वित किया है। प्रतियोगिता के आयोजन में पश्चिम मध्य रेलवे खेलकूद संघ के अध्यक्ष मनोज गुरुमुखी, महासचिव जी. पी. शिव नारायण, उपाध्यक्ष, अनुरुध कौशल, कमल कुमार तलरेजा , शशांक गुप्ता एवं गुरनार सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

लाड़ली बहना से वंचित महिलाएं बन सकती हैं चुनावी मुद्दा

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्यप्रदेश में अगले साल प्रस्तावित नगरीय निकाय चुनाव और वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले लाड़ली बहना योजना से पात्रता के बावजूद वंचित महिलाओं का मुद्दा राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बन सकता है। पात्र होने के बावजूद योजना का लाभ नहीं मिलने वाली महिलाओं को तत्काल योजना में शामिल करने की मांग को लेकर मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भेजा है। संगठन के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार वाधवानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसी महिलाएं हैं, जो योजना की निर्धारित पात्रता पूरी करती हैं, लेकिन तकनीकी कारणों, दस्तावेज संबंधी समस्याओं अथवा सर्वे में नाम दर्ज नहीं होने के कारण उन्हें योजना के तहत मिलने वाली मासिक सहायता राशि का लाभ नहीं मिल पा रहा है। संगठन के पदाधिकारियों भावना निगम, आशीष त्रिपाठी सहित अन्य सदस्यों ने कहा कि पात्र महिलाओं को योजना का लाभ नहीं मिलना गंभीर विषय है। उन्होंने सरकार से मांग की कि ऐसी महिलाओं की दोबारा जांच कर उन्हें योजना से जोड़ा जाए। संगठन अध्यक्ष डॉ. वाधवानी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि पात्रता के बावजूद योजना से वंचित महिलाओं के लिए पोर्टल दोबारा खोला जाए। इसके साथ ही प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाकर ऐसी महिलाओं को चिन्हित किया जाए और पात्र पाए जाने पर उन्हें योजना में शामिल कर नियमित भुगतान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना मध्यप्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली योजनाओं में रही है। पात्र महिलाएं लाभ से वंचित रहती हैं तो इससे उनमें असंतोष पैदा हो सकता है।

उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, व्यक्तित्व और कौशल का विकास भी जरूरी

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, ज्ञान, कौशल और सामाजिक उत्तरदायित्व का समग्र विकास करना होना चाहिए। विद्यार्थियों को अपने विषय के साथ मानवीय मूल्यों को भी आत्मसात करना चाहिए। यह बात रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान में आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम एवं वेलकम-फेयरवेल पार्टी में कही। विश्वविद्यालय के पीजी डिप्लोमा इन गाइडेंस एंड काउंसलिंग के सत्र 2025-26 एवं 2026-27 के विद्यार्थियों द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत तथा पूर्व विद्यार्थियों को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह तथा सारस्वत अतिथि प्रो. राकेश बाजपेयी रहे, जबकि अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने की। मुख्य अतिथि प्रो. सुरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को नए शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं देते हुए मार्गदर्शन एवं काउंसलिंग के क्षेत्र में संवेदनशीलता, मानवीय दृष्टिकोण और व्यावसायिक दक्षता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों से संस्थान की शैक्षणिक और सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। प्रो. राकेश बाजपेयी ने अनुशासन, निरंतर सीखने तथा ज्ञान और कौशल का उपयोग समाजहित में करने की बात कही। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ मानवीय मूल्यों, सामाजिक संवेदनशीलता और जिम्मेदार नागरिकता के गुण भी विकसित करने चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा तभी सार्थक है, जब वह विद्यार्थी को ज्ञानवान बनाने के साथ एक बेहतर इंसान भी बनाए।

व्यक्तित्व विकास और संवेदनशीलता जीवन का अभिन्न हिस्सा

कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ फैकल्टी एवं नोडल अधिकारी डॉ. अजय मिश्रा, मनोवैज्ञानिक डॉ. मीनल दुबे तथा जीव विज्ञान विभाग की वरिष्ठ फैकल्टी डॉ. रेणु पाठक उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक संवेदनशीलता को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की सलाह दी। कार्यक्रम में जोहफिशा मनसब अंसारी, शक्ति चौधरी, गुणित वैद्य, रविता सिंह, सविता पथरिया एवं नंद यादव सहित संस्थान से जुड़े शिक्षक और सहयोगी मौजूद रहे। सैकड़ों छात्र-छात्राओं की मौजूदगी में नवागंतुक विद्यार्थियों का स्वागत, वरिष्ठ विद्यार्थियों की विदाई और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच उत्साह एवं आत्मीयता का माहौल बना रहा।

काशी एक्सप्रेस से लापता महिला मायके में मिली, पिता को सौंपा

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

काशी एक्सप्रेस से लापता हुई 26 वर्षीय महिला को जीआरपी जबलपुर ने सकुशल दस्तयाब कर उसके पिता के सुपुर्द कर दिया। महिला ने पुलिस और न्यायालय के समक्ष दिए बयान में बताया कि वह अपनी इच्छा से मायके गई थी और उसके साथ किसी तरह की जोर-जबरदस्ती या अपराध नहीं हुआ। जीआरपी थाना जबलपुर में अपराध क्रमांक 522/26, धारा 140(3) बीएनएस के तहत महिला शालिनी मिश्रा की गुमशुदगी/अपहरण का प्रकरण दर्ज था। पुलिस के अनुसार महिला 1 अक्टूबर को अपने पिता देवी प्रसाद तिवारी के साथ थाने पहुंची। पूछताछ में उसने बताया कि वह ट्रेन क्रमांक 15018 काशी एक्सप्रेस के एच-1 कोच की बर्थ क्रमांक 4 पर प्रयागराज से मुंबई की यात्रा अपने देवर के साथ कर रही थी। महिला ने बताया कि मुंबई जाने की इच्छा नहीं होने पर वह इटारसी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतर गई और वहां से अपने मायके ग्राम उसरौली, जिला जौनपुर (उत्तर प्रदेश) चली गई। उसने स्पष्ट किया कि वह अपनी इच्छा से मायके में रह रही थी और उसके साथ कोई अपराध नहीं हुआ। पुलिस ने महिला का शासकीय विक्टोरिया अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षण कराया। उसे न्यायालय में प्रस्तुत कर धारा 183 बीएनएसएस के तहत कथन दर्ज कराए गए। न्यायालय के समक्ष भी महिला ने अपनी इच्छा से मायके में रहने और किसी प्रकार की घटना नहीं होने की पुष्टि की। महिला ने अपने पिता के साथ जाने की इच्छा जताई, जिसके बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उसे पिता के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने मामले के फरियादी को भी महिला के दस्तयाब होने की सूचना दे दी है। प्रकरण में आगे की विवेचना जारी है।

सफाई व्यवस्था ठप, बाजारों में जगह-जगह कचरे के ढेर, नगर निगम की व्यवस्था पर सवाल

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



नवरात्रि का पर्व नजदीक है और शहर में बाजारों की रौनक बढ़ने लगी है, लेकिन रविवार को कई प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था बेपटरी नजर आई। गलगला, करमचंद चौक और तुलाराम चौक सहित कई इलाकों में न तो नियमित रूप से झाड़ू लगी और न ही कचरे का उठाव हुआ। सड़क किनारे पड़ा कचरा दिनभर हवा के साथ उड़ता रहा और दुकानदारों की दुकानों तक पहुंचता रहा। स्थानीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि रविवार को सफाई की यह समस्या अब एक दिन की नहीं, बल्कि नियमित होती जा रही है। खासतौर पर बाजारों में रविवार को भी बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में व्यापारिक क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था कमजोर रहने से गंदगी बढ़ती जा रही है। नवरात्रि के दौरान शहर के बाजारों और प्रमुख धार्मिक स्थलों पर लोगों की आवाजाही और बढ़ेगी। इसके अलावा शनिवार रात से होने वाले भंडारों और अन्य धार्मिक आयोजनों के बाद रविवार को बड़ी मात्रा में कचरा निकलने की संभावना है। ऐसे में यदि रविवार को भी नियमित सफाई और कचरा उठाव नहीं हुआ तो बाजारों में गंदगी स्थिति और गंभीर हो सकती है। व्यापारियों का कहना है कि सड़क पर पड़ा कचरा वाहनों की आवाजाही और हवा के कारण उड़कर दुकानों के भीतर पहुंचता है। इससे व्यापारिक गतिविधियों के साथ आसपास का वातावरण भी प्रभावित होता है।

जबलपुर की आवाज़ 7 से 13 अक्टूबर तक

जबलपुर। प्रसंग अंतरराष्ट्रीय संस्था के तत्वावधान में जबलपुर की आवाज का आयोजन 7 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक होगा जिसमें लोक गायन, गजल गायन, गीत संगीत, एकल काव्य पाठ, वाद विवाद प्रतियोगिताएं होंगी। प्रसंग संस्था के संस्थापक इंजीनियर विनोद नयन ने बताया कि इन सभी इवेंट में 255 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं 14 अक्टूबर को विराट कवि सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण होगा 5 उत्कृष्ट विजेता प्रतिभागियों को जबलपुर की आवाज अवार्ड से अलंकृत किया जाएगा शेष सभी प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया जाएगा। यह संपूर्ण आयोजन बिना उद्घोषक के अनवरत किया जाएगा ।

जोधपुर में 8-9 अक्टूबर को होगी अखिल भारतीय कृषक परिषद की बैठक आयोजित

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर



किसानों की मौजूदा समस्याओं और कृषि क्षेत्र से जुड़े अहम मुद्दों पर मंथन के लिए अखिल भारतीय कृषक परिषद की बैठक 8 और 9 अक्टूबर को राजस्थान के जोधपुर में आयोजित होगी। भारत कृषक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय जाखड़ की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से किसान प्रतिनिधि, कृषक समाज के सदस्य, कृषि वैज्ञानिक, कृषि अर्थशास्त्री, विशेषज्ञ और सरकार के उच्चाधिकारी शामिल होंगे।भारत कृषक समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजीनियर केके अग्रवाल ने बताया कि बैठक में किसानों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा कर केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले सुझावों और सिफारिशों का प्रारूप तैयार किया जाएगा। इसमें किसानों को उनकी उत्पादन लागत के अनुपात में लाभकारी समर्थन मूल्य दिलाने और फसलों की खरीद की गारंटी, आयात-निर्यात नीति में सुधार तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों के दबाव से किसानों के हितों की रक्षा जैसे मुद्दे प्रमुख रहेंगे। संभागीय सचिव रूपेंद्र पटेल और जिला उपाध्यक्ष सुभाष चंद्रा ने बताया कि जबलपुर सहित संभाग के अन्य जिलों से कृषक समाज के सदस्य 6 अक्टूबर को दयोदय ट्रेन से जोधपुर के लिए रवाना होंगे।

जबलपुर में ब्रेस्ट एवं गायनेक-ऑन्कोलॉजी कॉन्फ्रेंस

डॉ. सुरेश आडवाणी ने इम्यूनोथेरेपी सहित कैंसर उपचार की नवीन पद्धतियों की दी जानकारी

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

होटल शॉन एलिजी में रविवार को ब्रेस्ट एवं गायनेक-ऑन्कोलॉजी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। एसोसिएशन ऑफ गायनेकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया (एजीओआई), जबलपुर ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसायटी (जेओजीएस) तथा शहर के कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष गुप्ता और डॉ. प्रशांत जैन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कॉन्फ्रेंस में देशभर से कैंसर विशेषज्ञ शामिल हुए। कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन पद्मश्री एवं पद्म विभूषण से सम्मानित प्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेश आडवाणी, मेडिकल कॉलेज जबलपुर के डीन डॉ. नवीन सक्सेना एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कुठारी ने किया। डॉ. सुरेश आडवाणी ने कैंसर के उपचार में अपनाई जा रही नवीनतम पद्धतियों तथा इम्यूनोथेरेपी के उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। दिल्ली से आई डॉ. प्रिया गणेश कुमार ने सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और बीमारी की शुरुआती अवस्था में पहचान के तरीकों पर प्रकाश डाला। प्रसिद्ध कैंसर सर्जन डॉ. अंशुमन कुमार ने स्तन कैंसर की सर्जरी,



ऑन्कोप्लास्टिक सर्जरी तथा अंडाशय के कैंसर में उपयोग की जा रही आधुनिक शल्य चिकित्सा तकनीकों की जानकारी दी। टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई की ऑन्कोपैथोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. नूपुर केंकरे ने महिलाओं में होने वाले विभिन्न प्रकार के कैंसर की पैथोलॉजी के संबंध में व्याख्यान दिया। नागपुर की रोबोटिक गायनेक-ऑन्कोलॉजी सर्जन डॉ. ममिता बाग ने सर्विक्स एवं गर्भाशय के कैंसर में रोबोटिक सर्जरी के उपयोग की जानकारी दी। मुंबई की डॉ. शनाया पंडोरवाला ने पेरिटोनियल डिजीज में हाइपेक के उपयोग पर जानकारी साझा की। नागपुर के डॉ. आनंद पाठक ने कैंसर उपचार में दवाओं, नैनो तकनीक एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग पर चर्चा की। इंदौर के मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. सुमित लोकवानी ने नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस) और पैनल डिस्कशन का संचालन किया। उन्होंने महिलाओं में होने वाले विभिन्न कैंसर की शुरुआती पहचान के तरीकों पर भी जानकारी दी। हैदराबाद के डॉ. सत्य दत्तात्रेय ने अंडाशय एवं गर्भाशय के कैंसर में उपयोग होने वाली प्रारंभिक उपचार पद्धतियों से लेकर नवीनतम लक्षित उपचार एवं इम्यूनोथेरेपी तक की जानकारी दी। रायपुर की डॉ. सुमन मित्तल एवं चोइथराम अस्पताल, इंदौर के डॉ. विकास असाटी ने स्तन कैंसर की सर्जरी एवं उपचार में आ रही नवीनतम तकनीकों पर प्रकाश डाला। एजीओआई की अध्यक्ष डॉ. कविता सिंह ने संस्था की गतिविधियों एवं उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी।

न्यूज ब्रीफ

जीवाजी विश्वविद्यालय में नो व्हीकल डे आज



ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से संचालित नो-व्हीकल डे इस बार 5 अक्टूबर को मनाया जाएगा। सामान्य तौर पर विश्वविद्यालय में प्रत्येक महीने की 2 और 16 तारीख को नो-व्हीकल डे निर्धारित रहता है। इन दिनों विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को निजी वाहनों के इस्तेमाल से बचने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, 5 अक्टूबर को जब विश्वविद्यालय दोबारा खुलेगा, तब परिसर में नो-व्हीकल डे का पालन किया जाएगा। इस दिन विद्यार्थियों और कर्मचारियों से अपेक्षा की जाएगी कि वे अपने निजी दोपहिया और चारपहिया वाहनों के बजाय पैदल, साइकिल या अन्य वैकल्पिक साधनों से विश्वविद्यालय पहुंचें।

गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने अभियान



ग्वालियर। ग्वालियर में गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने के लिए ग्वालियर-चंबल संभाग में 'गौ-सम्मान आह्वान अभियान' चलाया जाएगा। रविवार को गोला मंदिर स्थित श्याम वाटिका में हुई संभाग स्तरीय बैठक में अभियान की योजना बनाई गई। अभियान के तहत घर-घर गौ सम्मान का संदेश पहुंचाया जाएगा और लोगों को हस्ताक्षर अभियान से जोड़ा जाएगा। अभियान संभाग के जिलों, तहसीलों और गांवों तक पहुंचेगा। इसमें गौसेवक, सामाजिक संगठन, मातृशक्ति और युवा शामिल होंगे। संतों ने गौमाता के सम्मान, संरक्षण और संवर्धन में सभी वर्गों की भागीदारी पर जोर दिया। संत गोपालानंद सरस्वती महाराज और संत ऋषभ देवानंद महाराज ने अभियान में जनजागरण पर विशेष जोर दिया।

पत्थर से सिर, चेहरा कुचलकर किसान की हत्या



ग्वालियर। ग्वालियर में गोला का मंदिर चौराहे के पास शराब दुकान के बाहर 45 वर्षीय किसान की पत्थर से सिर और चेहरा कुचल कर हत्या कर दी गई। किसान शनिवार देर रात लहूलुहान हालत में मिला था। पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां रविवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान पदमपुर खेरिया गांव निवासी सुघर सिंह राठौर (45) के रूप में हुई है। पुलिस को घटना स्थल से खून से सना पत्थर मिला है। वारदात के बाद पुलिस ने आसपास के फुटेज खंगाले, जिसमें एक संदिग्ध युवक किसान के साथ शराब पीते और बाद में हाथापाई करते दिखाई दे रहा है। फुटेज के आधार पर पुलिस ने एक संदेही को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, सुघर सिंह शनिवार को खेतों के लिए आलू का बीज खरीदने ग्वालियर आया था। बीज खरीदने के बाद उसने किसी परिचित के जरिए उसे गांव भिजवा दिया। इसके बाद वह किसी काम से शहर में ही रुक गया था। रात 12 बजे लहूलुहान हालत में मिला शनिवार देर रात करीब 12 बजे सुघर सिंह गोला का मंदिर चौराहे स्थित शराब दुकान के पास लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। उसके सिर और चेहरे पर भारी पत्थर से कई वार किए गए थे।

तीन हजार लोगों के बैठने की रहेगी व्यवस्था

टेलीकॉम उद्योग का नया केंद्र बनेगा ग्वालियर, अमित शाह और सीएम मोहन यादव आएंगे

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर के साडा क्षेत्र में प्रस्तावित टेलीकॉम विनिर्माण क्षेत्र के भूमिपूजन समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिला प्रशासन और राज्य सरकार ने कार्यक्रम को लेकर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 12 अक्टूबर को मेला मैदान में होने वाले भव्य समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। हालांकि, दोनों नेताओं के दौरे को लेकर अंतिम कार्यक्रम प्रशासनिक स्तर पर तय किया जा रहा है। इस आयोजन को ग्वालियर के औद्योगिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। टेलीकॉम विनिर्माण क्षेत्र विकसित होने से क्षेत्र में दूरसंचार से जुड़े उद्योगों और निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होने और ग्वालियर को विनिर्माण क्षेत्र के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलने की संभावना है। कार्यक्रम की मेजबानी साडा के साथ मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम को सौंपी गई है। आयोजन को बड़े स्तर पर कराने की तैयारी की जा रही है, जिसके लिए प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों के अधिकारी लगातार समन्वय बैठकें कर रहे हैं।

तीन हजार लोगों के बैठने की रहेगी व्यवस्था

मुख्य सभागार में करीब तीन हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था प्रस्तावित है। इनमें 425 विशिष्ट अतिथियों के लिए अलग व्यवस्था रहेगी, जबकि 2,575 सामान्य अतिथियों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्य डोम के दोनों ओर अतिरिक्त हैंगर भी लगाए जाएंगे। कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों और अन्य लोगों की सुविधा को देखते हुए प्रवेश और निकास व्यवस्था को अलग रखने की योजना है। डोम के भीतर बड़ी एलईडी स्क्रीन, ध्वनि प्रणाली, सुरक्षा प्रकाश व्यवस्था और आपातकालीन निकास की व्यवस्था की जाएगी। आग लगने जैसी किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अग्नि सुरक्षा उपकरण भी लगाए जाएंगे। प्रशासन कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा मानकों के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने में जुटा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए पुलिस और जिला प्रशासन ने सुरक्षा तैयारियां शुरू कर दी हैं। कार्यक्रम में करीब दो हजार पुलिस जवान, अधिकारी और अन्य सुरक्षा एवं प्रशासनिक कर्मचारियों की तैनाती की योजना बनाई जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने हवाई अड्डे से मेला मैदान तक सुरक्षा व्यवस्था का प्रारूप तैयार करना शुरू कर दिया है। वीआईपी आवागमन के दौरान मार्ग, यातायात नियंत्रण, पार्किंग और सुरक्षा घेरा किस तरह रहेगा, इसको लेकर भी योजना बनाई जा रही है।

हवाई अड्डे से मेला मैदान तक रहेगा सुरक्षा घेरा

विशिष्ट अतिथियों के आगमन को देखते हुए हवाई अड्डे से कार्यक्रम स्थल तक के पूरे मार्ग की निगरानी की जाएगी। मार्ग में महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती के साथ यातायात व्यवस्था को भी नियंत्रित किया जाएगा। वीआईपी काफिले की आवाजाही के दौरान आम लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए यातायात पुलिस वैकल्पिक मार्ग और पार्किंग व्यवस्था पर भी काम कर रही है।

5 अक्टूबर तक चुनी जाएगी आयोजन एजेंसी

मेगा आयोजन के लिए पर्यटन विभाग ने कार्यक्रम प्रबंधन एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग के पैनल में शामिल 12 एजेंसियों में से एक एजेंसी का चयन किया जाना है। अधिकारियों को 5 अक्टूबर तक चयन प्रक्रिया पूरी कर आयोजन की जिम्मेदारी सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। चयनित एजेंसी को कार्यक्रम स्थल की साज-सज्जा और व्यवस्थाओं के साथ तकनीकी इंतजाम, अतिथियों के बैठने की व्यवस्था, मंच, ध्वनि व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक तैयारियां संभालनी होंगी। आयोजन में बड़ी संख्या में अतिथियों और लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यवस्थाओं को व्यवस्थित और सुरक्षित रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 18 हजार वर्गमीटर में तैयार होगा मुख्य जर्मन डोम मेला मैदान में कार्यक्रम के लिए करीब 60 मीटर चौड़ा और 300 मीटर लंबा मुख्य जर्मन हैंगर डोम तैयार करने की योजना है। इसका कुल क्षेत्रफल करीब 18 हजार वर्गमीटर होगा। इतने बड़े क्षेत्र में मुख्य कार्यक्रम, अतिथियों के बैठने और अन्य व्यवस्थाओं को व्यवस्थित किया जाएगा। मुख्य डोम के भीतर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की व्यक्तिगत बैठकों और आवश्यक चर्चा के लिए विशेष कक्ष बनाया जाएगा। इसके लिए अलग से 'आमने-सामने बैठक कक्ष' की व्यवस्था प्रस्तावित है, जहां दोनों नेताओं के लिए आवश्यक बैठकों और अधिकारियों के साथ चर्चा की जा सकेगी।

जमीन के विवाद में खूनी संघर्ष, हत्या: नौ महीने पहले लिखित प्रमाण पर खरीदे भूखंड को लेकर हमला

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र के भट्टपुरा गांव में जमीन यानी पट्टे के भूखंड को लेकर चल रहा विवाद अब हत्या में बदल गया है। करीब सात दिन पहले, 29 सितंबर 2026 को लिखित प्रमाण के आधार पर खरीदे गए भूखंड को लेकर पड़ोसियों ने वाहन चालक मुनीष उर्फ मुनेश नागर पर जानलेवा हमला किया था।

हमले में गंभीर रूप से घायल मुनेश की रविवार को अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। सात दिन तक जिंदगी के लिए संघर्ष करने के बाद उसकी मौत की सूचना मिलते ही महाराजपुरा थाना पुलिस ने हत्या के मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।

महाराजपुरा के भट्टपुरा गांव निवासी रेनू नागर ने पुलिस को बताया था कि उनके पति मुनीष उर्फ मुनेश नागर ने करीब नौ महीने पहले समीर, मनीष और समर नाथ से गांव के पास पट्टे का एक भूखंड लिखित प्रमाण के माध्यम से खरीदा था। इसी जमीन को लेकर गांव के पानसिंह लोधी, मोनू लोधी, पवन लोधी, भूपेंद्र लोधी और पवन उर्फ 'मिर्च' लोधी से विवाद चल रहा था। आरोपित पक्ष भूखंड पर अपना अधिकार जताता था। इसे लेकर दोनों पक्षों के बीच कई बार बहस भी हो चुकी थी। धमकी दी थी—इस जमीन पर रहने नहीं देंगे रेनू के मुताबिक, कुछ दिन पहले आरोपितों ने मुनेश को धमकी दी थी कि उसे इस जमीन पर रहने नहीं देंगे। 29 सितंबर की दोपहर करीब 12 बजे मुनेश अपनी पत्नी रेनू के साथ घर के बाहर खड़े थे।

अशोक पाल पर हमले का सीसीटीवी फुटेज आया सामने, मुख्य साजिशकर्ता की तलाश में पुलिस

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर के पड़ाव थाने के ठीक सामने नाश्ते की दुकान चलाने वाले अशोक पाल पर शनिवार को हुई अंधाधुंध गोलीबारी का घटनास्थल का सीधा दृश्य दिखाने वाला सीसीटीवी चित्रण सामने आया है। चित्रण में मोटरसाइकिल सवार दो बदमाश चौराहे की ओर से आते दिखाई दे रहे हैं। दोनों दुकान पर बैठे अशोक पाल पर लगातार गोलियां चलाने के बाद तेजी से भाग निकलते हैं।

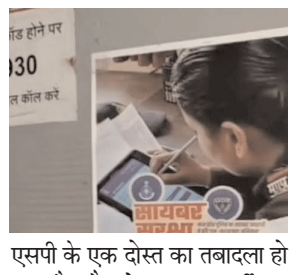
वारदात के बाद आरोपी गांधी नगर और सेवानगर होते हुए मोतीझील पहुंचे। पुलिस के अनुसार, वहां पहुंचने के बाद उन्होंने अपने चलभाष यंत्र बंद कर दिए और अन्य साथियों के साथ गायब हो गए। थाने के ठीक सामने हुई इस वारदात के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। दृश्य चित्रण से भूरा खान और लखन जाटव की पहचान

पुलिस की अब तक की जांच और घटनास्थल के दृश्य चित्रण के आधार पर गोली चलाने वाले दोनों आरोपियों की पहचान भूरा खान और लखन जाटव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों के विरुद्ध पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। दोनों के विरुद्ध पहले दुष्कर्म का मामला दर्ज होने की जानकारी भी सामने आई है। मामले में प्राथमिकी में नामजद सगे भाइयों दिनेश और संदीप को पुलिस ने हिरासत में लिया है। वहीं, मुख्य षड्यंत्रकारी बताए जा रहे छोटू यादव की तलाश की जा रही है। गोलीबारी की आवाज सुनते ही थाने के सामने खड़े पुलिस के त्वरित प्रतिक्रिया वाहन ने बदमाशों का पीछा किया।

हालांकि, कुछ दूरी बनने के बाद आरोपी गांधी नगर की संकरी गलियों में घुस गए और रेलवे स्टेशन के चौथे मंच की ओर भाग निकले। पुलिस अब घटनास्थल से लेकर आरोपियों के भागने के रास्ते तक के विभिन्न स्थानों पर लगे निगरानी चित्रण यंत्रों के दृश्य खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की गतिविधियों और उनके भागने के मार्ग का पता लगाया जा सके।

पूर्व एसपी का फोन हैक कर हवलदार के दामाद से ठगी

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



ग्वालियर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र में साइबर ठगी के दो मामले सामने आए हैं। एक मामले में ठगों ने पूर्व एसपी रियाज इकबाल का मोबाइल हैक कर उनके परिचित पुलिसकर्मी के रिश्तेदार से 25 हजार रुपए ठग लिए।

दूसरे मामले में टॉफी पैकिंग का काम देने का झांसा देकर 45,500 रुपए की ठगी की गई। दोनों मामलों में महाराजपुरा थाना पुलिस ने शनिवार को केस दर्ज किया है।

महाराजपुरा हिल्स व्यू कॉलोनी निवासी देशराज सिंह दोहरे ने पुलिस को बताया कि उनके ससुर मुरैना पुलिस लाइन में प्रधान आरक्षक हैं। 14 सितंबर को उन्हें जानकारी मिली कि पुलिस लाइन में पदस्थ राजवीर सिंह तोमर के पास पूर्व एसपी रियाज इकबाल के नाम से फोन आया है। फोन करने वाले ने बताया कि पूर्व एसपी के एक दोस्त का तबादला हो गया है और वे घर का फर्नीचर, फ्रिज, टीवी, एसी, वॉशिंग मशीन सहित सामान 1.05 लाख रुपए में बेच रहे हैं।

देशराज ने सामान खरीदने के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क किया। ठगों ने क्यूआर कोड भेजकर 25 हजार रुपए एडवांस जमा करा लिए। इसके बाद और रकम मांगी गई तो संदेह हुआ। राजवीर सिंह तोमर के जरिए जब रियाज इकबाल से संपर्क किया गया तो पता चला कि उनका मोबाइल हैक हो चुका है और ठग उसी का इस्तेमाल कर रहे थे।

शारदा विहार की प्राचीन बावड़ी में श्रमदान, एक ट्रॉली मलवा व गंदगी हटाकर किया स्वच्छ

ग्वालियर। स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत रविवार को नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार शारदा विहार स्थित प्राचीन बावड़ी में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के मार्गदर्शन में आयोजित अभियान में नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ सामाजिक संस्थाओं, नगर निगम की अधिकृत संस्थाओं और स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान कर बावड़ी की सफाई की। स्वच्छता अभियान के दौरान बावड़ी परिसर में जमा मालवा, कचरा एवं गंदगी को श्रमदान के माध्यम से हटाया गया। सफाई के दौरान करीब एक ट्रॉली मलवा और गंदगी बाहर निकाली गई, जिसके बाद बावड़ी एवं उसके आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा बनाया गया। अभियान का उद्देश्य ऐतिहासिक एवं प्राचीन जलस्रोतों को स्वच्छ रखने के साथ ही नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना रहा। अभियान में नगर निगम के उपायुक्त श्री मुकेश बंसल, इनर व्हील क्लब के कार्यकर्ता, नगर निगम की संबंधित टीम, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा शहर के गणमान्य नागरिक और स्थानीय निवासी शामिल हुए। इस दौरान नागरिकों से अपील की गई कि वे शहर के प्राचीन जलस्रोतों, सार्वजनिक स्थलों और आसपास के क्षेत्रों में कचरा न फेंकें तथा स्वच्छता बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करें।

मथुरा-भूतेश्वर यार्ड रीमॉडलिंग से बदला ट्रेनों का संचालन, ग्वालियर रूट की कई ट्रेनें लेट

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

आगरा मंडल के पलवल-मथुरा रेलखंड में मथुरा और भूतेश्वर स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग का काम शुरू होने से ग्वालियर से गुजरने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। रेलवे ने 4 से 10 अक्टूबर के बीच अलग-अलग तारीखों में कई ट्रेनों को 10 से 90 मिनट तक नियंत्रित कर चलाने का निर्णय लिया है। कुछ ट्रेनों के मार्ग बदले जाएंगे, जबकि दो ट्रेनों के प्रस्थान समय में भी बदलाव रहेगा। इससे ग्वालियर से दिल्ली, आगरा, मथुरा और उत्तर भारत के अन्य शहरों की यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त समय लग सकता है।

रीमॉडलिंग के दौरान जम्मूतवी-पुणे ट्रेन 4 से 9 अक्टूबर तक 90 मिनट तक नियंत्रित रहेगी। अमृतसर-इंदौर और अमृतसर-नागपुर ट्रेनों को 85 मिनट तक रोककर चलाया जाएगा। ऊधमपुर-दुर्ग ट्रेन 9 अक्टूबर को 85 मिनट, फिरोजपुर-सिवनी 80 मिनट और योग-नगरी ऋषिकेश-पुरी ट्रेन 70 मिनट तक नियंत्रित रहेगी।

अमृतसर-नांदेड़ ट्रेन 25 मिनट, निजामुद्दीन-जबलपुर 30 मिनट और मुंबई सेंट्रल-निजामुद्दीन ट्रेन 40 मिनट तक नियंत्रित की जाएगी। एर्नाकुलम-निजामुद्दीन ट्रेन 6 अक्टूबर को 60 मिनट, विशाखापट्टनम-निजामुद्दीन 7 और 8 अक्टूबर को 40 मिनट तथा तिरुपति-निजामुद्दीन ट्रेन 7 अक्टूबर को 30 मिनट तक नियंत्रित रहेगी। कन्याकुमारी-निजामुद्दीन 30 मिनट और त्रिवेंद्रम-निजामुद्दीन ट्रेन 20 मिनट तक नियंत्रित रहेगी।

निजामुद्दीन-इंदौर समेत कुछ ट्रेनों के रूट बदलेंगे रीमॉडलिंग के चलते 10 अक्टूबर को निजामुद्दीन-इंदौर ट्रेन मथुरा-भरतपुर-अलवर के बजाय गाजियाबाद-मितावली-आगरा किला-बयाना होकर चलेगी। निजामुद्दीन-दुर्ग, जम्मूतवी-पुणे, फिरोजपुर-सिवनी और योग-नगरी ऋषिकेश-पुरी सहित कुछ अन्य ट्रेनों के मार्ग में भी बदलाव रहेगा।

आवारा कुत्ते ने बच्चे के चेहरे पर किया हमला

गाल का मांस नोचा, घायल बोला-चीज लेने जा रहा था, कुत्ते ने पटक लिया

■ एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर। शहर में आवारा कुत्तों के हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को अवाड़पुरा क्षेत्र में एक आवारा कुत्ते ने पांच साल के मासूम बच्चे पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। कुत्ते ने बच्चे के चेहरे और गाल पर बुरी तरह काट लिया, जिससे गहरा घाव हो गया और काफी खून बहने लगा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बच्चे के परिजन उसे तत्काल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसे बच्चों के वार्ड में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार, बच्चे के गाल पर गंभीर चोट आई है और क्षतिग्रस्त हिस्से के उपचार के लिए शल्यक्रिया की तैयारी की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या और बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में आवारा कुत्तों की मौजूदगी के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

खासकर छोटे बच्चों का अकेले घर से बाहर निकलना जोखिम भरा हो गया है। दुकान से सामान लेने निकला था मासूम, रास्ते में कुत्ते ने किया हमला

जानकारी के अनुसार, अवाड़पुरा निवासी शकील खान ऑटो चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनका पांच वर्षीय बेटा अली शनिवार शाम



घर के पास स्थित किराना दुकान से सामान लेने के लिए निकला था। बच्चा सामान्य रूप से दुकान की ओर जा रहा था, तभी रास्ते में एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कुत्ते ने बच्चे को निशाना बनाते हुए उसके चेहरे पर हमला किया और गाल पर बुरी तरह काट लिया। हमले के दौरान बच्चे को संभलने का मौका तक नहीं मिला। कुत्ते ने उसे जमीन पर पटक दिया और उसके चेहरे को नोचने लगा। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह कुत्ते को वहां से भगाया।

चेहरे पर गंभीर चोट लगने के कारण बच्चा दर्द से परेशान था। अचानक हुए इस हमले से परिवार के लोग भी घबरा गए। बच्चे ने बताया- सामान लेने जा रहा था, तभी कुत्ते ने पटक लिया घायल अली ने घटना के बारे में बताते हुए कहा कि वह दुकान से सामान लेने जा रहा था। इसी दौरान कुत्ते ने उस पर हमला कर दिया और उसे पटक लिया। बच्चे के चेहरे पर गंभीर चोट आई है और उसे काफी दर्द हो रहा है।

कम उम्र में इस तरह के हमले का शिकार होने से बच्चा सहमा हुआ है। परिजन अस्पताल में उसके उपचार को लेकर चिंतित हैं। घटना के बाद आसपास के लोगों ने भी क्षेत्र में आवारा कुत्तों की समस्या पर नाराजगी जताई और बच्चों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की।

गाल में गहरा घाव, चिकित्सक कर रहे शल्यक्रिया की तैयारी बच्चे को सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा है।

संपादकीय

जेहादी मानस का पायलट

आसमान की ऊंचाइयों में जिस सह-पायलट ने अपने ही विमान के पायलट कैप्टन स्मित मच्छार पर जानलेवा हमला किया था, वह जेहादी मानस, आतंकवादी सोच का इनसान था। शुरूआती जांच में यह खुलासा सामने आया है। वह अलकायदा के सरगना रहे अयमान अल जवाहिरी से प्रभावित था। उसके लिंक्डइन पोस्ट में उसके फोटो और कथन मिले हैं। हमलावर सह-पायलट के सोशल मीडिया खाते में आतंकी, जेहादी, कट्टरपंथी किस्म के विचार भी मिले हैं। उसके पास से फ्री फिलिस्तीन जुमले वाले परचे भी मिले हैं। वह अलकायदा अथवा किसी अन्य आतंकी संगठन से जुड़ा था अथवा किसने उसे विमान क्रैश करने को उकसाया था, लालच दिया था, यह अभी तक की जांच में साफ नहीं हुआ है, लेकिन हमलावर पायलट हम्माम अल हमामी ने खुद कबूल किया है कि वह इजरायल के तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान क्रैश करना चाहता था, ताकि यहूदी यात्रियों के साथ-साथ क्रैश की चपेट में आने वाले जमीनी लोग भी मारे जा सकें। नरसंहार की ऐसी सोच और मंसूबे से स्पष्ट है कि हमलावर पायलट हमामी आत्मघाती था। क्रैश में उसकी मौत भी तय थी, लेकिन वह यहूदियों से इतनी पराकाष्ठा तक नफरत करता था कि उन्हें मारने पर आमादा था। यह 9/11 सरीखा आतंकी हमला नहीं था। उसमें न्यूयॉर्क के विश्व व्यापार केंद्र को निशाना बनाया गया था। वह अमरीकी पूंजीवाद, साम्राज्यवाद, अहंकार और ताकत का प्रतीक माना जाता था। अलकायदा का संस्थापक सरगना ओसामा बिन लादेन अमरीका के प्रतीक को जमींदोज कर शेष दुनिया को चौंका देना, डराना चाहता था। अलकायदा का आतंकवाद अपने मंसूबे और मकसद में कामयाब भी रहा, क्योंकि उस आतंकी हमले में 5232 लोग मारे गए थे। यह सरकार का अधिकृत आंकड़ा है। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में 174 यात्री सवार थे, जिनमें 150 से अधिक यहूदी बताए जा रहे हैं।

अलकायदा ने न जाने कितने पढ़े-लिखे नौजवानों को आतंकी के तौर पर, फिदायीन बनने के लिए भ्रमित किया होगा! मौजूदा सिलसिला भी यहीं थमने वाला नहीं है, यह विशेषज्ञों का आकलन है। सरकारों और देशों की विदेश नीतियों में इतनी खामियां, इतने विरोधाभास हैं कि जेहादी किस्म के चेहरों को भी पायलट जैसी घोर संवेदनशील और मानवीय जिम्मदारी की नियुक्तियां दी जाती रही हैं। यह पहली बार नहीं हुआ। इजरायल की सरकारी नीति है कि जिन देशों के साथ उसके राजनयिक संबंध नहीं हैं, कमोबेश उनके विमान और पायलट इजरायल में प्रवेश नहीं कर सकते। जब कट्टरपंथी सोच के कारण ओमान विमानन सेवा ने हमामी को विमान उड़ाने से प्रतिबंधित कर दिया था, तो उसे दुबई में नौकरी कैसे मिली? और वह तेल अवीव, इजरायल जाने वाले विमान का सह-पायलट कैसे बना? इससे भयानक और आपराधिक गलती कोई और हो सकती है क्या? ऐसे कई यक्ष-प्रश्न जांच के दौरान सामने आएंगे। बहरहाल इस आसमानी हमले और संभावित हादसे में विमान के पायलट कैप्टन स्मित वैश्विक नायक बनकर उभरे हैं। घायल और लहूलुहान होने के बावजूद उन्होंने विमान को संभाला, उससे पहले कोड 7500 भी देने में वह सफल रहे कि विमान का अपहरण कर लिया गया है, विमान की सऊदी अरब में आपात, सुरक्षित लैंडिंग भी हो गई और अंततः 174 जिंदगियां बचाईं। वह हनुमान चालीसा का आध्यात्मिक करिश्मा भी हो सकता है। यह आस्था का सवाल है। फिलहाल कैप्टन स्मित संयुक्त अरब अमीरात में उपचाराधीन हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर उनसे बातचीत की और सेहत का हालचाल पूछा। दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान ने उनसे मुलाकात की और कैप्टन का माथा चूम कर बेहतर सेहत की दुआएं दीं। बहरहाल यह संकट और खतरा पश्चिम एशिया तक ही सीमित नहीं है। दुनिया भर की विमानन सेवाओं के भीतर आतंकवादी सोच की सेंध संभावित है और कुछ भी हो सकता है! कल्पना करें, यदि आसमान में विमान के कॉकपिट में हुई जानलेवा लड़ाई हादसे में तबदील हो जाती और एक व्यापक त्रासदी सामने आती, तो भारतीय पायलटों के प्रति शेष विश्व की प्रतिक्रिया क्या होती?

रुपए की लेन-देन में यूपीआई को मुफ्त रखने की जरूरत

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

> यूपीआई का एक और महत्वपूर्ण लाभ आर्थिक पारदर्शिता है। डिजिटल लेन-देन से कारोबार का रिकॉर्ड बनता है और आर्थिक गतिविधियों का बड़ा हिस्सा औपचारिक वित्तीय व्यवस्था में आता है। इसका असर कर अनुपालन और सरकारी राजस्व पर भी पड़ता है। जीएसटी संग्रह का लगातार ऊंचे स्तर पर पहुंचना अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण और डिजिटल लेन-देन के विस्तार से जुड़े व्यापक बदलाव की ओर संकेत करता है

भारत ने पिछले एक दशक में जिस डिजिटल बदलाव को सबसे तेजी से अपनाया है, उसमें यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल है। कभी डिजिटल भुगतान बड़े शहर, कॉरपोरेट संस्थान और ऑनलाइन कारोबारों तक सीमित माना जाता था लेकिन आज रेहड़ी-पटरी वाले दुकानदार से लेकर बड़े मॉल, छोटे कारोबारी से लेकर आम उपभोक्ता तक यूपीआई रोजमर्रा की आर्थिक जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। चाय की दुकान पर दस रुपये का भुगतान हो या लाखों रुपया का कारोबारी लेनदेन, मोबाइल से भुगतान अब सामान्य व्यवहार बन गया है।



इसी बीच 15 अक्टूबर 2026 से लागू होने जा रहे मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) से जुड़े नए नियमों को लेकर बहस तेज हो गई है। इस बदलाव को केवल भुगतान प्रणाली से जुड़ा तकनीकी विषय मानना उचित नहीं होगा। इसका सीधा संबंध देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था, छोटे व्यापारी, उपभोक्ता और सरकार के राजस्व से है। इसलिए इससे पैदा हो रही आशंकाओं को सरकार को गंभीरता से समझने की जरूरत है। यूपीआई की सबसे बड़ी ताकत यह रही है कि इसने डिजिटल भुगतान को सरल, तेज और आम लोगों के लिए लगभग सहज बना दिया। खासकर छोटे व्यापारियों के लिए यूपीआई ने नकदी रखने, खुले पैसे की समस्या और बैंकिंग लेन-देन की कई व्यावहारिक कठिनाइयों को कम किया। इसका सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि देश के उस असंगठित कारोबार का बड़ा हिस्सा भी डिजिटल वित्तीय व्यवस्था से जुड़ने लगा, जो लंबे समय तक नकदी आधारित अर्थव्यवस्था का हिस्सा था। यहीं से एमडीआर को लेकर मूल सवाल पैदा होता है। यदि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने से अर्थव्यवस्था अधिक पारदर्शी होती है, कारोबार का औपचारिककरण बढ़ता है और सरकार को कर संग्रह में मदद मिलती है तो इस व्यवस्था की लागत का बोझ आखिर किस पर डाला जाना चाहिए? लोगों का तर्क है कि देश की जनता पहले से ही प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों का भारी बोझ उठा रही है, ऐसे में डिजिटल भुगतान जैसी बुनियादी वित्तीय सुविधा को अधिकतम संभव सीमा तक मुफ्त रखना सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। यूपीआई केवल एक निजी व्यावसायिक सुविधा नहीं रह गयी है, यह देश की आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण सार्वजनिक डिजिटल ढांचा बन चुका है।

इसका दूसरा पहलू नकदी प्रबंधन से जुड़ा है। नकदी आधारित अर्थव्यवस्था को संचालित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को नोटों की छपाई, सिक्कों की ढलाई, पुराने और खराब नोटों को वापस लेने तथा उन्हें नष्ट करने, करेंसी की सुरक्षा और परिवहन जैसी व्यवस्थाओं पर बड़ी राशि खर्च करनी पड़ती है। डिजिटल भुगतान के विस्तार से नकदी पर निर्भरता कम होती है तो इसका अप्रत्यक्ष आर्थिक लाभ भी सरकार और पूरे वित्तीय तंत्र को मिलता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि डिजिटल भुगतान से होने वाली व्यापक आर्थिक बचत का कुछ हिस्सा डिजिटल भुगतान प्रणाली को सस्ता और सुगम बनाए रखने में क्यों नहीं लगाया जा सकता?

यूपीआई का एक और महत्वपूर्ण लाभ आर्थिक पारदर्शिता है। डिजिटल लेन-देन से कारोबार का रिकॉर्ड बनता है और आर्थिक गतिविधियों का बड़ा हिस्सा औपचारिक वित्तीय व्यवस्था में आता है। इसका असर कर अनुपालन और सरकारी राजस्व पर भी पड़ता है। जीएसटी संग्रह का लगातार ऊंचे स्तर पर पहुंचना अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण और डिजिटल लेन-देन के विस्तार से जुड़े व्यापक बदलाव की ओर संकेत करता है इसलिए यह तर्क महत्वपूर्ण है कि जिस डिजिटल ढांचा से सरकार को अप्रत्यक्ष रूप से राजस्व और पारदर्शिता का लाभ मिल रहा है, उसके संचालन की लागत का पूरा बोझ व्यापारी या उपभोक्ता पर डालना आर्थिक रूप से पुनर्विचार योग्य विषय है।

सबसे बड़ा खतरा छोटे कारोबारी और उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव का हो सकता है, यदि व्यापारी एमडीआर की लागत से बचने के लिए नकद भुगतान पर छूट देने लगते हैं और डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त राशि मांगने लगते हैं तो उपभोक्ता फिर से नकदी की ओर लौट सकते हैं, ऐसा हुआ तो पिछले एक दशक में विकसित डिजिटल भुगतान की आदत को झटका लग सकता है। यूपीआई की सफलता का आधार ही उसकी सरलता और कम लागत रही है।

आंकड़ों की दृष्टि से भी यूपीआई की भूमिका अब सामान्य भुगतान माध्यम से कहीं आगे निकल चुकी है। वर्ष 2026 में जनवरी से सितंबर के बीच डिजिटल भुगतान नेटवर्क द्वारा 205.24 अरब लेन-देन प्रोसेस किये जाने का दावा इसकी विशाल पहुंच को दर्शाता है। इतनी बड़ी संख्या में होने वाले लेन-देन के बीच मामूली शुल्क भी यदि व्यापक रूप से लागू होता है तो उसका संचयी प्रभाव काफी बड़ा हो सकता है। इसलिए सरकार के सामने चुनौती केवल एमडीआर की दर तय करने की नहीं बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था के भविष्य की दिशा तय करने की है। व्यापारी और उपभोक्ता दोनों चाहते हैं कि भुगतान व्यवस्था सरल और सस्ती रहे। सरकार का हित भी इसी में है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार जारी रखे।

भारत के लिए विदेशी पूंजी की अहमियत

डा. जयंतीलाल भंडारी

अमरीकी डॉलर के मुकाबले रुपए में आने वाले उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए रिजर्व बैंक इस भंडार का उपयोग करता है, जिससे भारतीय मुद्रा मजबूत बनी रहती है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है, अतएव यह विशाल भंडार देश को 10-12 महीने से अधिक के निर्बाध आयात के लिए वित्तीय सुरक्षा देता है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार विदेशी निवेशकों को आकर्षित करता है, क्योंकि यह देश की ऋण चुकाने की क्षमता और वित्तीय मजबूती को दर्शाता है। मजबूत आर्थिक स्थिति के कारण वैश्विक रेटिंग एजेंसियां देश की क्रेडिट रेटिंग सुधारती हैं, जिससे भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से सस्ती दरों पर कर्ज मिलता है।



इन विभिन्न बहुआयामी प्रयासों के बावजूद भारत में टिकाऊ विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए अभी भी कई ठोस सुधारों की आवश्यकता है। केवल बड़े घरेलू बाजार और उच्च विकास दर के भरोसे रहना पर्याप्त नहीं होगा। हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक 25 सितंबर तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 747.6 अरब डालर के स्तर पर पहुंचते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आर्थिक सुरक्षा कवच बन गया है। भारत दुनिया में चीन, जापान और स्विट्जरलैंड के बाद चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला देश बन गया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पिछले माह 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद ब्रिक्स देशों से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ? की संभावनाएं बढ़ी हैं। इस बार ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों की उपस्थिति से भारत के बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बड़े पैमाने पर निवेश आने की उम्मीद है। इस शिखर सम्मेलन के दौरान ब्रिक्स देशों के बीच कृषि, तकनीक और वित्त क्षेत्रों में आपसी साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया है, जिससे भारत में प्राइवेट सेक्टर के निवेश को बढ़ावा मिलेगा। ब्रिक्स के विस्तार से नए ब्रिक्स देशों में भारतीय सामान और सेवाओं के निर्यात के नए दरवाजे खुले हैं। इस सम्मेलन ने वैश्विक आर्थिक सहयोग और कूटनीतिक प्रभाव को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है, जिससे वैश्विक निवेशकों का भारत पर भरोसा बढ़ा है। इन सबसे भारत में विदेशी निवेश बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि भारत का रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार भारत के लिए कई दृष्टिकोणों से लाभप्रद है। यह वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश को आर्थिक स्थिरता प्रदान करता है।

अमरीकी डॉलर के मुकाबले रुपए में आने वाले उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने के लिए रिजर्व बैंक इस भंडार का उपयोग करता है, जिससे भारतीय मुद्रा मजबूत बनी रहती है। चूंकि भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल आयात करता है, अतएव यह विशाल भंडार देश को 10-12 महीने से अधिक के निर्बाध आयात के लिए वित्तीय सुरक्षा देता है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार विदेशी निवेशकों को आकर्षित करता है, क्योंकि यह देश की ऋण चुकाने की क्षमता और वित्तीय मजबूती को दर्शाता है। मजबूत आर्थिक स्थिति के कारण वैश्विक रेटिंग एजेंसियां देश की क्रेडिट रेटिंग सुधारती हैं, जिससे भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से सस्ती दरों पर कर्ज मिलता है। वैश्विक युद्ध, महंगाई या अन्य देशों के केंद्रीय बैंकों के फैसलों से उत्पन्न आर्थिक संकटों को झेलने में विदेशी मुद्रा भंडार सुरक्षा कवच की तरह मदद करता है। गौरतलब है कि हाल ही में जहां विभिन्न वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों-जापानी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जेसीआर), एसएंडपी रेटिंग्स और फिच रेटिंग्स ने भारत के विदेशी मुद्रा भंडार की मजबूती को रेखांकित किया है, वहीं भारतीय रिजर्व बैंक की विशेष डॉलर-रुपए विदेशी मुद्रा अदला-बदली (फॉरेक्स स्वैप) सुविधा के तहत अभूतपूर्व सफलता ने वैश्विक वित्तीय जगत में भारत की आर्थिक साख और मजबूती का एक नया अध्याय लिख दिया है। यह महत्वपूर्ण है कि 8 जून 2026 को शुरू की गई इस योजना के प्रति अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) ने ऐसा अभूतपूर्व उत्साह दिखाया कि आरबीआई को अपने लक्ष्य समय से पहले ही निर्धारित लक्ष्य हासिल हो गए। यह परिदृश्य बताता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति वैश्विक स्तर पर निवेशकों का भरोसा अटूट है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि गत 18 अगस्त को गजट अधिसूचना के बाद लागू कराधान एवं अन्य कानून (संशोधन) अधिनियम 2026 अब भारत में विदेशी पूंजी को आकर्षित करने, कर व्यवस्था में स्पष्टता लाने और घरेलू विनिर्माण को सुदृढ़ बनाने के परिप्रेक्ष्य में अत्यंत अहम भूमिका निभाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य भारत को वैश्विक पूंजी और व्यापार के लिए अधिक आकर्षक व भरोसेमंद गंतव्य बनाना है।

यह अपतटीय निवेश कोषों (ऑफशोर इन्वेस्टमेंट फंड्स) और फंड प्रबंधकों के लिए नियमों को सरल बनाता है, जिससे भारत से परिचालन करने वाले कोष प्रबंधकों को कर संबंधी जटिलताओं का सामना न करना पड़े। इससे वैश्विक केंद्रों में कार्यरत भारतीय व विदेशी प्रबंधक सुगमता से भारत की ओर रुख करेंगे। इसके अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र के लिए उपकरण आपूर्ति पर मिलने वाली आयकर छूट को वर्ष 2040-41 तक विस्तारित किया गया है। सीमा शुल्क-बंधित (कस्टम्स-बॉन्डेड) गोदामों में इलेक्ट्रॉनिक घटकों के भंडारण को कर-मुक्त करने और डेटा सेंटरों के लिए प्रक्रियाओं को सुगम बनाने से वैश्विक कंपनियां भारत में बड़े पैमाने पर निवेश के लिए आकर्षित होंगी। इससे रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। यह भी उल्लेखनीय है कि 21 साल बाद यानी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने और लगभग 30-35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और प्रति व्यक्ति आय करीब 18000 डॉलर करने के लिए बुनियादी ढांचे, तकनीक और विनिर्माण क्षेत्र में भारी निवेश की आवश्यकता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को लगातार औसतन करीब 9 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर बनाए रखनी होगी। इतने बड़े विकास लक्ष्य को अकेले घरेलू संसाधनों से पूरा करना संभव नहीं होगा, इसलिए विदेशी पूंजी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि आर्थिक सुधारों के पिछले 35 वर्षों में जो विदेशी मुद्रा भारत में धीमी गति से आई है, अब कराधान और अन्य कानून (संशोधन) अधिनियम 2026 के लागू होने के बाद भारत की ओर विदेशी मुद्रा के प्रवाह में तेजी आने की पूरी संभावनाएं हैं। यदि हम भारत में विदेशी पूंजी आकर्षित करने के ऐतिहासिक प्रयासों पर दृष्टि डालें, तो पाते हैं कि 1991 के आर्थिक संकट के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव और वित्त मंत्री डा. मनमोहन सिंह द्वारा आर्थिक सुधारों का नया दौर शुरू किया गया था।

तब से अब तक विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए निरंतर कई ठोस कदम उठाए गए हैं। बीमा, दूरसंचार और खुदरा (रिटेल) जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाकर 100 प्रतिशत तक कर दी गई है। रक्षा क्षेत्र में भी कुछ शर्तों और नियमों के साथ 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी गई है। अधिकांश क्षेत्रों में पूर्व-सरकारी अनुमति के बिना (स्वचालित मार्ग से) निवेश करने की छूट प्रदान की गई। पुराने और कठोर फेरा (एफईआरए) कानून को समाप्त कर लचीला ह्यफेमाह्न (एफईएमए) लागू किया गया जिससे विदेशी मुद्रा का प्रवाह और लेनदेन आसान हो गया। देश को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने और विदेशी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए मेक इन इंडिया अभियान शुरू किया गया। निवेशकों को कर में छूट, सरल नियम और आधुनिक बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) का विकास किया गया।

प्रमुख विनिर्माण क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने वाली कंपनियों को वित्तीय प्रोत्साहन देने के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) जैसी व्यवस्थाएं की गईं।

महिलाएं आज नेतृत्व कर रही हैं, नई पीढ़ी को मिल रहा है बेहतर भविष्य: तनुश्री राठौड़

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**





रविवार को अंबेडकर पार्क बैरसिया में नगर पालिका परिषद बैरसिया द्वारा सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में (102) आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें कुछ आवेदन का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में राजस्व विद्युत स्वास्थ्य खाद्य, सामाजिक न्याय महिला एवं बाल विकास श्रम नगरीय प्रशासन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने नागरिकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जैसा कि नाम है सेवा सेतु, यह जनता और जनप्रतिनिधि के बीच, जनता और योजनाओं के बीच सेतु बनाने का काम कर रहा है। आज ऐसा दौर आ गया है कि सभी अधिकारी जनता के बीच, उनके द्वार पर आ रहे हैं। सरकार नागरिकों के घर तक पहुंच रही है ताकि हर सुविधा और हर योजना का लाभ उन तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि आज से 20-25 साल पहले क्या दौर था, जनता छोटी सी समस्या के लिए परेशान हो जाती थी, उन्हें पता ही नहीं होता था कि योजना का लाभ कैसे लेना है। लेकिन आज सरकार खुद चलकर आपके पास आई है।नपा अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने कहा कि आज महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं और घर से बाहर निकल रही हैं। उन्होंने कहा कि आज आप देखिए सांदीपनि जैसे स्कूल बन रहे हैं ताकि हमारे बच्चों को, हमारी नई पीढ़ी को हर प्रकार का माहौल, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी,एजुकेशन और एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज प्रदान की जा रही है। ताकि उनका संपूर्ण व्यक्तित्व बाहर निकल सके और वे अच्छे नागरिक बन सकें। किसान भाइयों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार के माध्यम से किसानों के लिए भी हर योजना पर काम किया जा रहा है। सरकार की मंशा है कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचे। शिविर के दौरान अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौड़ एवं पार्षदगण द्वारा विद्युत विभाग एवं राजस्व विभाग से संबंधित समस्याओं के निराकरण में हो रही देरी पर नाराजगी व्यक्त की गई। इस पर संबंधित दोनों विभागों के अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष हरिनारायण कुशवाह एसडीएम शिवांगी बघेल तहसीलदार आदित्य जंगेला नायब तहसीलदार दुर्गा पटेल एसडीओपी वैशाली कराहलिया नपाःसीएमओ राजेंद्र सक्सेना,नगर पालिका परिषद के सभी पार्षद, एल्डरमैन,नपा के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि समेत बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को जानकारी दी गई और उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया। कार्यक्रम का आभार व्यक्त नगर पालिका सीएमओ राजेंद्र सक्सेना द्वारा किया गया। सभी विभागों ने योजनाओं के काउंटर लगा नागरिकों की समस्याओं के पंजीयन कर उनका निराकरण किया

सेवा संकल्प अभियान में उप मुख्यमंत्री ने किया दो भवनों का लोकार्पण

सेवा सेतु अभियान प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों की जनसेवा का अभिनंदन है : उप मुख्यमंत्री

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

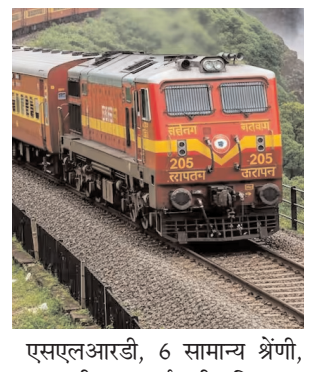




सेवा संकल्प अभियान के तहत रीवा विकासखण्ड के ग्राम सगरा में दो भवनों का लोकार्पण किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अटल सुशासन भवन तथा अटल सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। सेवा सेतु अभियान में आयोजित इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा सेतु अभियान देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की 25 वर्षों की अनवरत जनसेवा का अभिनंदन है। प्रधानमंत्री जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में गरीबों के कल्याण की दिन-रात चिंता करते हुए सच्चे मन से जनसेवा की है। उन्होंने देश को 2047 तक विकसित और विश्वगुरू बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूरा करने में हर व्यक्ति योगदान दे। प्रधानमंत्री जी के हर घर में नल से साफ पानी पहुंचाने के जल जीवन मिशन से सगरा पंचायत में भी सभी घरों में मीठा पानी पहुंच रहा है। रीवा में एनसीसी मैदान टीआरएस कालेज में सात अक्टूबर को सेवा ज्योति कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी दिन प्रधानमंत्री जी की जनसेवा के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। प्रधानमंत्री जी सुबह 11 बजे वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभा में शामिल होकर हम सबको संबोधित करेंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सगरा ग्राम पंचायत को मॉडल ग्राम पंचायत के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें झूलादास मंदिर तथा शिव मंदिर तक सड़क का निर्माण कराया जाएगा। ग्राम पंचायत को आज अटल सुशासन भवन और सामुदायिक भवन की सौगात मिली है। पंचायत का आधुनिक भवन हमारी कार्य संस्कृति को भी आधुनिक बनाएगा। आज ही ग्राम पंचायत सगरा के 112 पात्र हितग्राहियों को स्वामित्व योजना से जमीन के अधिकार पत्र दिए जा रहे हैं। ग्राम पंचायत के विकास के लिए राशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए श्री राजेश पाल ने कहा कि उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से ग्राम पंचायत को दो शानदार भवन मिले हैं। सगरा को वृंदावन गांव बनाकर उप मुख्यमंत्री जी ने हमें विकास का अवसर दिया है। हमें उप स्वास्थ्य केन्द्र की भी सौगात मिली है। कार्यक्रम में श्री राजेश पाण्डेय, श्री राजगोपाल मिश्रचारी, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, सरपंच श्रीमती सावित्री पाल, श्री महेन्द्र तिवारी, सरपंच श्रीमती सरोज मिश्रा, श्री प्रदीप गौतम सुमन, स्थानीय जन प्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

प्रयागराज से हडपसर के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन के 05-05 फेरे चलेगी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा अतिरिक्त यात्री सुविधा के लिए प्रयागराज से हडपसर नगर के बीच पूजा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है गाड़ी संख्या 04107 प्रयागराज से हडपसर पूजा स्पेशल ट्रेन दिनांक 21 अक्टूबर से 18 नवम्बर 2026 तक प्रत्येक बुधवार को प्रयागराज स्टेशन से रात 10:20 बजे प्रस्थान कर बीना 23.35 बजे, अगले दिन रानी कमलापति 02.00 बजे, इटारसी 03.35 बजे एवं आगमन कर गंतव्य स्टेशन चल कर हडपसर 19.30 बजे पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04108 प्रयागराज से हडपसर स्पेशल ट्रेन दिनांक 22 अक्टूबर से 19 नवम्बर 2026 तक प्रत्येक गुरुबार को हडपसर स्टेशन से रात 22:40 बजे प्रस्थान कर अगले दिन प्रयागराज 06.30 बजे, इटारसी 12.20, रानी कमलापति 14.15 बजे एवं बीना 16.45 बजे आगमन कर प्रयागराज सुबह 06.30 बजे पहुंचेगी। कोच संरचना- इस स्पेशल गाड़ी में 2 एसएलआरडी, 6 सामान्य श्रेंणी, 12 स्लीपर, 1 थर्ड एसी सहित कुल 21 कोच होंगें। ठहराव स्टेशन- प्रयागराज, शंकरगढ़, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम, बांदा जंक्शन, महोबा, खजुराहो, दरियागंज, छतरपुर, टीकमगढ़, ललितपुर, बीना, रानी कमलापति, इटारसी, भुसावल जंक्शन, मनमाड, कोपरगाँव, बेलापुर, अहिल्यानगर, दौंड कॉर्ड लाइन, हडपसर । रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पर्व के दौरान उपलब्ध इस अतिरिक्त रेल सुविधा का लाभ उठाएं तथा यात्रा से पूर्व ट्रेन के परिचालन एवं समय-सारिणी की जानकारी रेलवे की अधिकृत पूछताछ प्रणाली से प्राप्त करें।

बकरी पालन से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ीं सतोरनिया की सुल्तान बी, मासिक आय हुई 10 से 12 हजार रुपये

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



ग्राम सतोरनिया की श्रीमती सुल्तान बी के लिए बकरी पालन परिवार की आजीविका को मजबूत करने का माध्यम बन गया है। कभी लगभग 2 से 3 हजार रुपये की मासिक आय में परिवार की जरूरतें पूरी करने वाली सुल्तान बी अब प्रतिमाह लगभग 10 से 12 हजार रुपये अर्जित कर रही हैं। मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन विभाग की बकरी इकाई योजना और उनकी मेहनत ने परिवार की आर्थिक स्थिति में यह बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रीमती सुल्तान बी, पति श्री अवाद को वर्ष 2025-26 में बकरी इकाई योजना का लाभ मिला। योजना के अंतर्गत उन्होंने 10 बकरियां और एक बकरा क्रय कर व्यवस्थित रूप से बकरी पालन शुरू किया। इससे पहले सीमित आय के कारण परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करना चुनौतीपूर्ण था। योजना से मिले सहयोग ने उन्हें अपनी आजीविका बढ़ाने का अवसर दिया। सुल्तान बी ने इस अवसर को मेहनत और लगन से आगे बढ़ाया। बकरियों की नियमित देखभाल और बेहतर प्रबंधन पर ध्यान दिया। उनके प्रयासों से आज बकरियों की संख्या बढ़कर लगभग 18 से 20 हो गई है। इसके साथ ही मासिक आय भी बढ़कर लगभग 10 से 12 हजार रुपये तक पहुंच गई है। आय में वृद्धि से परिवार की जरूरतें पूरी करने में मदद मिली है और बकरी पालन उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण आधार बन गया है। अपने परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ सुल्तान बी अन्य ग्रामीण परिवारों की आजीविका बेहतर बनाने में भी सहयोग कर रही हैं। वे आजीविका मिशन के अंतर्गत 'पशु सखी' के रूप में कार्यरत हैं। इस भूमिका में वे ग्रामीण पशुपालकों को पशुपालन से संबंधित जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। अपने अनुभव साझा कर वे उन्हें पशुओं की बेहतर देखभाल और प्रबंधन के लिए प्रेरित कर रही हैं। श्रीमती सुल्तान बी की कहानी शासकीय योजना से मिले सहयोग और हितग्राही के प्रयासों से आए बदलाव का उदाहरण है। बकरी पालन ने उनकी आय बढ़ाई है और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर दिया है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी 'नाड़ी विश्लेषण -2026' का आयोजन 6 अक्टूबर को

भोपाल। पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान, भोपाल तथा राष्ट्रीय आयुष मिशन (म.प्र.) के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी 'नाड़ी विश्लेषण-2026' का आयोजन 6 अक्टूबर 2026 को रजत जयंती ऑडिटोरियम में किया जाएगा। संगोष्ठी का उद्देश्य नाड़ी परीक्षा के शास्त्रीय सिद्धांतों, चिकित्सकीय उपयोगिता एवं वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता के साथ-साथ आयुर्वेद के क्षेत्र में इसके वैज्ञानिक एवं अनुसंधानात्मक पक्ष पर विशेषज्ञों के बीच विचार-विमर्श करना है। संगोष्ठी में देशभर से प्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित नाड़ी विशेषज्ञ वैद्य तपन कुमार, वैद्य संजय पी. छाजेड, वैद्य सुशांत मिश्रा, डॉ. भाग्यश्री गावंडे, डॉ. नवीन चंद्र जोशी, डॉ. प्रज्ञान त्रिपाठी एवं डॉ. गायत्री आर. मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। अपने ज्ञान एवं अनुभव साझा करेंगे ।

स्टेशनों, खानपान इकाइयों, बेस किचन, रिटायरिंग रूम एवं रेलवे कार्यालयों में व्यापक स्वच्छता गतिविधियाँ

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**





पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा 2026 एवं विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत दिनांक 04 एवं 05 अक्टूबर 2026 को मंडल के प्रमुख रेलवे परिसरों में विशेष गहन सफाई अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत संबंधित विभागों द्वारा रेलवे स्टेशनों, पेंट्रीकार, बेस किचन, खानपान इकाइयों, रिटायरिंग रूम, विश्राम गृहों, कार्यालयों एवं प्रशासनिक भवनों में व्यापक साफ-सफाई की जा रही है। अभियान के दौरान यात्री सुविधाओं, कार्यालय परिसरों एवं खानपान इकाइयों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप सफाई, कचरे का उचित निस्तारण तथा परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए आवश्यक गतिविधियाँ की जा रही हैं। सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि इसका उद्देश्य रेलवे परिसरों में स्वच्छता के उच्च मानक स्थापित करना, यात्रियों को स्वच्छ एवं सुखद वातावरण उपलब्ध कराना तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और जनभागीदारी की भावना को सुदृढ़ करना है।

रानी कमलापति से गया, रीवा एवं दानापुर के लिए तीन जोड़ी विशेष ट्रेनों की आगामी सेवाएं उपलब्ध

'सेवा संकल्प अभियान: यूनानी चिकित्सा और जन-स्वास्थ्य का एक अनूठा संगम '

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**





संचालनालय आयुष के निर्देशानुसार हकीम सैयद जियाउल हसन शासकीय स्वशासी यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, भोपाल द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक विशेष सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम, आयुर्विद्या, सुप्रजा, ऑस्टियोआर्थराइटिस एवं वयोमित्र के संयुक्त समन्वय से संचालित हो रहा है, जिसका उद्देश्य जनसामान्य तक सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के साथ पोषण, स्वास्थ्य एवं सामाजिक विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अभियान का औपचारिक शुभारंभ 17 सितंबर को महाविद्यालय परिसर में दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. (डॉ.) महमूदा बेगम ने दीप प्रज्वलित कर अभियान की शुरुआत की और उपस्थित संकाय सदस्यों व स्वास्थ्य कर्मियों को अभियान के उद्देश्यों एवं विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

अभियान के तहत स्कूली बच्चों के बीच स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। वहीं स्थानीय आंगनवाड़ी केंद्रों में 'आंगनवाड़ी मिलन' कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बच्चों के लिए पोषण व स्वास्थ्य संबंधी विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के उपलक्ष्य में शाहजहानाबाद स्थित वृद्धाश्रम में निःशुल्क यूनानी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यकतानुसार निःशुल्क यूनानी औषधियां वितरित की गईं। इसके साथ ही वृद्धजनों के उत्तम पोषण को ध्यान में रखते हुए उन्हें भुने चने, मूंगफली, मूंग दाल एवं बिस्कुट आदि पौष्टिक खाद्य सामग्री का वितरण किया गया तथा आश्रम परिसर में औषधीय पौधों का रोपण भी किया गया। इसी क्रम में शासकीय हमीदिया कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1, फतेहगढ़ में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में छात्राओं एवं शिक्षकों का स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक रक्त जांच तथा चिकित्सकीय परामर्श प्रदान कर निःशुल्क दवाएं दी गईं। इस दौरान छात्राओं को एनीमिया (रक्तअल्पता) की रोकथाम, संतुलित आहार एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही वर्तमान डिजिटल परिवेश को ध्यान में रखते हुए छात्राओं को साइबर सुरक्षा एवं सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के नियम भी समझाए गए। महाविद्यालय द्वारा संचालित यह विशेष सेवा संकल्प अभियान 17 अक्टूबर 2026 तक निरंतर जारी रहेगा, जिसके अंतर्गत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर, परामर्श एवं जन-जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

फाइनल की हार से उबरने में समय लगा, अब ओलंपिक में जगह बनाने पर नजरें: अनाहत सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली अनाहत सिंह फाइनल की हार से उबरकर अब 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में जगह बनाने पर ध्यान दे रही हैं। सीधे क्वालीफिकेशन का मौका गंवाने के बाद 18 वर्षीय खिलाड़ी अगले 18 महीनों में अधिक टूर्नामेंट खेलकर पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़ना चाहती हैं।



अनाहत सिंह जानती थीं कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना 'बहुत यथार्थवादी' लक्ष्य नहीं था लेकिन खिताब से सिर्फ एक जीत दूर रह जाना इस भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी के लिए निराशा के साथ-साथ प्रेरणा का भी कारण बना और अब उनकी नजरें 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर है। अनाहत एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्क्वाश स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

हालांकि उन्हें दुनिया की पांचवें नंबर की - मलयेशियाई खिलाड़ी सिवसांगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अगर अनाहत फाइनल जीत जातीं तो उन्हें 2028 ओलंपिक में सीधे जगह मिल जाती लेकिन यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अब पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़कर लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगी। स्वदेश लौटने के बाद अनाहत ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से काफी निराश थी। दोबारा खुश होने या थोड़ा बेहतर महसूस करने में मुझे कुछ दिन लगे। फाइनल में हारना अच्छा नहीं लगता, विशेषकर तब जब आप किसी बड़े मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद खिताब के इतने करीब पहुंच जाते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं सकारात्मक पहलुओं को देखने की कोशिश करूंगी और इसे इस रूप में देखूंगी कि मुझे अभी बहुत कुछ सीखना है। अगर मैं शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन कर सकती हूं तो इसमें मेरे लिए कई अच्छी बातें भी हैं।'

गोल्ड जीतने वाली प्रणवी उर्स को आईजीयू देगा 10 लाख रुपये

गोल्फ टीम की सदस्यों को मिलेंगे तीन-तीन लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय गोल्फ संघ ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला प्रणवी उर्स के लिए 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। वहीं रजत पदक जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की अदिति अशोक और दीक्षा डागर को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे। भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) ने एशियाई खेलों में भारत की पहली महिला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स के लिए रविवार को 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। प्रणवी एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय गोल्फर हैं। उनसे पहले लक्ष्मण सिंह ने 1982 के दिल्ली एशियाई खेलों और शिव कपूर ने 2002 के बुसान एशियाई खेलों में यह उपलब्धि हासिल की थी। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की प्रत्येक सदस्य को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे। प्रणवी के अलावा भारतीय टीम में अदिति अशोक और दीक्षा डागर शामिल थीं। आईजीयू अध्यक्ष बृजिंदर सिंह ने कहा, '2026 एशियाई खेलों में शानदार स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रणवी को हार्दिक बधाई। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना बहुत बड़ी उपलब्धि है और यह उनकी प्रतिभा, कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और खेल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



एशियन गेम्स 2026 का समापन

कतर को सौंपी गई मेजबानी

भारत ने चौथे स्थान पर रहकर समाप्त किया अभियान

इस बार जीते कुल 85 पदक



आइची नागोया (एजेंसी)। आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो गया है। निशानेबाज नीरू धांडा दो स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ भारत की महिला ध्वजवाहक बनकर समारोह में पहुंचीं। भारत ने पुरुष हॉकी में स्वर्ण के साथ अभियान खत्म किया और 21 स्वर्ण समेत कुल 85 पदक जीतकर चौथे स्थान पर रहा। आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो चुका है। नागोया में हो रहे इस समारोह के साथ 16 दिन तक चले एशियाई खेलों का आधिकारिक रूप से समापन हो गया। भारतीय दल की महिला ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा तिरंगा लेकर समारोह में पहुंचीं। नीरू हाथ में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ उसे लहराती दिखीं। उनके चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। नीरू के लिए यह एशियाड बेहद यादगार रहा। उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। नीरू ने अपने तीसरे पदक के रूप में किनान चेनाई के साथ ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह भारत लौट गई थीं, लेकिन शनिवार सुबह समापन समारोह के लिए दोबारा नागोया पहुंचीं।





● **पिछली बार की तुलना में कम आए पदक** - भारत का कुल पदक आंकड़ा पिछले संस्करण की तुलना में 21 कम हो गया, जबकि हांगझू 2022 खेलों की तुलना में स्वर्ण पदक की संख्या सात कम रही। भारत ने हांग्झू में कुल 106 पदक जीते थे और पहली बार 100 पदक के आंकड़े को पार किया था। आइची-नागोया अभियान एक मिला-जुला सफर रहा, जहां कुछ उम्मीद के मुताबिक आए परिणामों की जगह निराशाओं ने ले ली, लेकिन अंत में एक मजबूत फिनिश ने पूरे अभियान का रंग-रूप बदल दिया।

ध्वजवाहकों के बाद खिलाड़ी स्टेडियम में पहुंचे

ध्वजवाहक के बाद एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचे। इन सभी सितारों ने दो हफ्तों तक शानदार प्रदर्शन किया और अब वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व के साथ नागोया से विदा लेते दिखे।। भारतीय दल भी एशियाई खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचा और अब मुख्य मंच पर ध्वजवाहक नीरू ढांडा के साथ शामिल हुआ। भारतीय दल भी अपने प्रदर्शन से काफी खुश दिखा। शुरुआत में ज्यादा एथलीट नजर नहीं आ रहे थे और ज्यादातर सपोर्ट स्टाफ ही दिखाई दे रहा था। फिर धीरे धीरे भारतीय एथलीट भी नजर आने लगे। कई एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी से पहले स्वदेश लौट चुके। भारतीय महिला हॉकी टीम भी रविवार को भारत लौट आई थी।

आखिरी दो दिनों में बदली भारत की तस्वीर

भारत का अभियान उतार-चढ़ाव से भरा रहा। गुरुवार तक भारत के खाते में सिर्फ 10 स्वर्ण पदक थे और टीम पदक तालिका में शीर्ष 10 से भी बाहर थी। लेकिन आखिरी दो दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी की। हॉकी और क्रिकेट में स्वर्ण पदक आए, जबकि तीरंदाजी, मुक्केबाजी और कुश्ती ने भी पदकों की संख्या बढ़ाई। अंतिम दो दिनों में भारत ने 11 और स्वर्ण पदक जीते। इस जोरदार वापसी ने भारत को फिर शीर्ष पांच में पहुंचाया और अभियान का अंत चौथे स्थान के साथ हुआ।

भारत के किस खेल में कौन से पदक

खेल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
तीरंदाजी	5	2	2	9
एथलेटिक्स	1	9	14	24
बैडमिंटन	0	0	1	1
बॉक्सिंग	3	0	3	6
क्रिकेट	2	0	0	2
गोल्फ	1	1	0	2
हॉकी	2	0	0	2
कबड्डी	2	0	0	2
कुराश	0	0	1	1
मार्शल आर्ट्स	0	0	1	1
रोइंग	0	0	1	1
सेलिंग	0	1	2	3
सेपकटकरा	0	0	1	1
शूटिंग	3	8	4	15
सॉफ्ट टेनिस	0	0	1	1
स्क्वैश	0	2	3	5
टेबल टेनिस	0	0	1	1
वेटलिफ्टिंग	0	1	0	1
कुश्ती	2	2	2	6
वुशू	0	1	0	1

21 स्वर्ण और 85 पदक के साथ चौथे स्थान पर भारत

भारत ने शनिवार को पुरुष हॉकी फाइनल में मलयेशिया को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 85 हो गई, जिसमें 21 स्वर्ण शामिल रहे। भारत ने 27 रजत और 37 कांस्य पदक भी जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय दल पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा और लगातार एक और एशियाई खेलों में शीर्ष पांच में जगह बनाई। हालांकि, भारत का यह प्रदर्शन 2022 के हांगझोउ एशियाई खेलों से पीछे रहा था। हांगझोउ में भारत ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण शामिल थे। यानी इस बार भारत के खाते में कुल पदक 21 कम और स्वर्ण सात कम रहे।

24 साल बाद लड़कों से आगे हुई भारत की लड़कियां

4 गोल्ड ज्यादा जीते, हॉकी का ओलिंपिक टिकट मिला

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो गोल्ड मेडल इवेंट हैं लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी शिरकत नहीं कर रहा है। भारत ने जापान के आइची-नागोया में 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते हैं। उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर ही गोल्ड जीते हैं लेकिन ज्यादा सिल्वर के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। रविवार को अगर उज्बेकिस्तान कोई गोल्ड नहीं जीतता है तो भारत चौथे स्थान पर ही फिनिश करेगा।



2002 के बाद पहली बार भारत की लड़कियों को ज्यादा मेडल - भारत ने इस बार लड़कियों के इवेंट में 11 तो लड़कों के इवेंट में 7 गोल्ड जीते। 3 गोल्ड मिक्स्ड इवेंट में आए। इससे पहले 2002 में बुसान में हुए एशियन गेम्स में भारत की लड़कियां आगे रही थीं। तब भारत ने लड़कियों के इवेंट में 6 और लड़कों के इवेंट में 5 गोल्ड जीते थे।

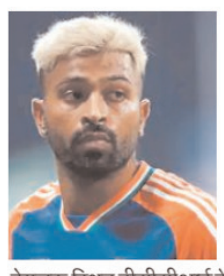
बॉक्सिंग, रेसलिंग में बेहतर हुआ प्रदर्शन, शूटिंग-एथलेटिक्स में पिछड़े

भारत ने 2023 में चीन के ग्वांगझू में हुए एशियन गेम्स में 28 गोल्ड के साथ 106 मेडल जीते थे। तब भारत ने शूटिंग में 7 और एथलेटिक्स में 6 गोल्ड जीते थे। इस बार शूटिंग में 3 और एथलेटिक्स में 1 ही गोल्ड आया। यानी इन दो खेलों में ही भारत को 9 गोल्ड का नुकसान हो गया। भारत ने पिछली बार स्कॉश में 2 और टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में 1-1 गोल्ड जीता था। इन खेलों में इस बार भारत को कोई गोल्ड नहीं मिला। बॉक्सिंग और रेसिलिंग में अच्छे प्रदर्शन ने कुछ हद तक गोल्ड में कमी की भरपाई की है।

हार्दिक पंड्या ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

मार्च में आखिरी इंटनरनेशनल मैच खेला था; उनकी जगह सूर्यांश शेडगे को मौका

नईदिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पंड्या चोट की वजह से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। सीरीज इसी महीने 6 से 11 अक्टूबर के बीच पुडुचेरी में खेली जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी जगह ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को टीम में शामिल किया गया है। सूर्यांश ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वे पहले ही टीम के साथ जुड़ गए हैं। हार्दिक ने आखिरी बार आईपीएल 2026 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच मार्च में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में खेला था।



रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप जीता

● **जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया; स्मरण का शतक, मुकेश कुमार ने 6 विकेट लिए**

नईदिल्ली (एजेंसी)। रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया। श्रीनगर में 1 से 5 अक्टूबर तक खेले गए मुकाबले में रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 237 और दूसरी पारी में 319 रन बनाए। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर की टीम पहली पारी में 278 और दूसरी पारी में 111 रन पर ऑलआउट हो गई।



मुकेश कुमार ने 6 विकेट लिए - दूसरी पारी में जम्मू-कश्मीर की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई। टीम 28.4 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। कामरान इकबाल ने 32 और शुभम खजूरिया ने 36 रन बनाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका।



350 रन बनाने के बावजूद तीसरी बार हारा भारत, राहुल का शानदार शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने भारत को तीसरे वनडे में 5 विकेट से हरा दिया। न्यू चंडीगढ़ में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 351 रन बनाए थे। इसके बावजूद उसे हार झेलनी पड़ी। यह तीसरा मौका है, जब टीम 350+ रन बनाकर भी हार गई। शनिवार को वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में टारगेट हासिल किया। यह टीम का वनडे में सबसे बड़ा सफल रनचेज भी है।

रोहित सबसे तेज 10 हजार वनडे रन बनाने वाले ओपनर

रोहित शर्मा बतौर ओपनर सबसे तेज 10 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा। भारत-वेस्टइंडीज तीसरे वनडे के टॉप रिकॉर्ड्स बने।

● **भारत 350+ रन भी डिफेंड नहीं कर सकी** - भारत को तीसरी बार 350+ रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऐसा हुआ था।



● **सचिन-जयसूर्या का क्लब में शामिल हुए रोहित** - रोहित शर्मा ने वनडे में ओपनर के तौर पर 10 हजार रन पूरे किए। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, सनथ जयसूर्या और क्रिस ने यह उपलब्धि हासिल की।रोहित सबसे कम 202 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे। उनसे पहले सचिन ने 214 पारियों में 10 हजार रन बनाए थे।

● **रोहित 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए** - रोहित ने ऋतुराज के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की। वे 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए। सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी के मामले में वे तीसरे नंबर पर हैं।

● **भारत ने 7.43 के रनरेट से बल्लेबाजी की** - भारत ने वनडे सीरीज में 7.43 के रन रेट से रन बनाए। यह 3 या उससे ज्यादा मैचों वाली द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन रेट है। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड है। टीम ने 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7.15 के रनरेट से बल्लेबाजी की थी।

● **भारत ने 45वीं बार 350+ रन बनाया** - भारत ने 7 विकेट पर 351 रन बनाए। टीम ने 45वीं बार वनडे में 350+ का टोटल बनाया। साउथ अफ्रीका 36 बार के साथ दूसरे नंबर पर है।

● **भारत ने सीरीज में सबसे ज्यादा 45 छक्के लगाए** - भारत ने 3 मैचों में 45 छक्के लगाए। यह तीन मैचों की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में किसी टीम के सबसे ज्यादा छक्के हैं। इससे पहले इंग्लैंड ने 2021 में तीन मैचों में भारत के खिलाफ ही 37 छक्के लगाए थे।भारत किसी भी द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने में इंग्लैंड के साथ चौथे नंबर पर है।

'सेवा सेतु अभियान - सरकार आपके द्वार' शिविर हुआ सम्पन्न

पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर योजनाओं से जोड़ना अभियान का मुख्य उद्देश्यः सांसद राय

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



सांसद श्रीमती संध्या राय के मुख्य आतिथ्य में नगर पालिका भिण्ड द्वारा सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वार शिविर का आयोजन टाउन हॉल भिण्ड में किया गया। शिविर का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इस दौरान नगर पालिका भिण्ड अध्यक्ष श्रीमती वर्षा बाल्मीकि, जनपद पंचायत भिण्ड अध्यक्ष श्रीमती सरोज बघेल, कलेक्टर भिण्ड, सीईओ जिला पंचायत भिण्ड, एसडीएम भिण्ड सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सांसद संध्या राय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम 'सरकार आपके द्वार' की भावना से जोड़कर पात्र हितग्राहियों तक सेवाएं पहुंचाने के लिए चलाया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा-सुशासन का जिक्र करते हुए कहा कि इस दौरान महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, युवाओं को रोजगार व उद्यमी बनाने की दिशा में लगातार योजनाएं लागू की गई। सांसद श्रीमती राय ने बताया कि एक समय में 25 करोड़ से अधिक नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करते थे, लेकिन वर्तमान में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में उन्हें सम्मान के साथ जीने का अवसर मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश की विकास यात्रा को भी सराहा और कहा कि प्रदेश भी 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में पीछे नहीं रहेगा। सांसद ने कहा कि कई पात्र हितग्राही अभी भी योजनाओं से वंचित रह जाते हैं; ऐसे पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर योजनाओं से जोड़ना अभियान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने अपील कर कहा कि सभी दुर्गम क्षेत्रों, दिव्यांगजन और वंचित वर्ग तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का समाधान करें। सांसद श्रीमती संध्या राय ने जन-सहयोग पर बल देते हुए कहा कि सरकार बड़े कार्य कर रही है, लेकिन नागरिकों को भी अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ व स्वस्थ रखने में भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य विभाग द्वारा चल रहे टीकाकरण अभियान और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में चल रहे प्रयासों की भी सराहना की। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा कुल 179 पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया गया, जिसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 64, खाद्यान्न पात्रता पर्ची के 30, संबल योजना पंजीयन के 30, मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता राशि के 06, नामांतरण के 06, प्रधानमंत्री आवास योजना के 06, जन्म प्रमाण पत्र के 05, मृत्यु प्रमाण पत्र के 06, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के 26 पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया गया। शिविर में बच्चों द्वारा समाज को जागरूक होने और शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ लेने का संदेश देने हेतु नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई।

मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर भोपाल में लगेगा संकल्प वृक्ष



एक सत बुलेटिन, भिण्ड

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 01 नवंबर के शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में एनसीसी द्वारा भोपाल में एक विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, इस वृक्षारोपण में मुख्यमंत्री द्वारा संकल्प वृक्ष के नाम से वृक्षारोपण किया जाएगा। इस संकल्प वृक्ष की खासियत यह है कि मध्यप्रदेश के हर जिले की मिट्टी का संग्रहण एनसीसी द्वारा कर भोपाल भेजा जाएगा। इसी कड़ी में भिण्ड से भी मिट्टी का संग्रहण किया जा रहा है। यह मिट्टी भिण्ड में स्थित गौरी सरोवर से संग्रहित की गई है। भिण्ड 30 एमपी बटालियन एनसीसी के कमांडर कर्नल कुलवंत सिंह कुहाड़ के निर्देशन में 30 एमपी बटालियन से सीनियर अंडर ऑफिसर अतुल शर्मा इस मिट्टी को लेकर जाएंगे।

भिण्ड से मिट्टी का दान मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती संध्या राय द्वारा 30 एमपी बटालियन में किया गया। इस अवसर पर कमान अधिकारी कर्नल कुलवंत सिंह कुहाड़, एडम अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल के.के. श्रीवास्तव, सूबेदार मेजर मदन सिंह, एएनओ एवं जिला खेल प्रशिक्षक श्री संजय पंकज उपस्थित रहे एवं समस्त पीआई स्टाफ कैडेट्स के साथ मौजूद रहे।

श्री कृष्ण वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों का सम्मान, कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण वितरित



एक सत बुलेटिन, कटनी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत संचालित 'सेवा मेरा योगदान' अभियान के अंतर्गत सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दद्दा धाम स्थित श्री कृष्ण वृद्ध आश्रम में बुजुर्गों के सम्मान और सेवा के लिए गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वृद्धजनों को सम्मानित करने के साथ उनकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कृत्रिम अंग एवं विभिन्न सहायक उपकरण वितरित किए गए। साथ ही बुजुर्गों का चिकित्सीय स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श भी दिया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मेहरा, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के उपसंचालक श्री अनुराग मोदी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री सुनील उपाध्याय, भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्री पारस जैन, उपाध्यक्ष श्री सचिन निषाद, एनकेजे क्षेत्र के भाजपा मंडल महामंत्री श्री आशीष मिश्रा, श्री शरद, श्री सिद्धार्थ जैन, श्री कृष्ण धाम के संचालक श्री नीरज तथा वरिष्ठ पत्रकार श्री संजीव श्रीवास्तव सहित जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मेहरा और उपसंचालक श्री मोदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वृद्धजन समाज की अनमोल धरोहर हैं। उनका अनुभव नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। बुजुर्गों की सेवा, सम्मान और उनकी जरूरतों का ध्यान रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन वृद्धजनों के प्रति संवेदनशीलता, आत्मीयता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर वृद्धजनों को शाल, श्रीफल एवं पुष्पहार भेंटकर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने बुजुर्गों से आत्मीय संवाद कर उनके जीवन के अनुभव सुने तथा उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। विभाग की ओर से जरूरतमंद वृद्धजनों को उनकी जरूरत के अनुसार कृत्रिम अंग, स्टिक, बैसाखी, श्रवण यंत्र सहित अन्य सहायक उपकरण वितरित किए गए। इसके साथ ही चिकित्सीय स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रस्तुत मधुर भजनों ने वातावरण को भक्तिमय और भावपूर्ण बना दिया।

तारा कोल ब्लॉक नीलामी कब रद्द होगी : बैज ने साय सरकार पर साधा निशाना

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने तारा कोल ब्लॉक की नीलामी को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि तारा कोल ब्लॉक की नीलामी कब रद्द होगी। बैज ने आरोप लगाया कि नीलामी के संबंध में राज्य सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। श्री बैज ने दावा किया कि तारा कोल ब्लॉक करीब 5,000 एकड़ क्षेत्र में फैला है, जिसमें 4,000 एकड़ से अधिक घना जंगल शामिल है। उनके अनुसार, खनन के लिए 10 लाख से अधिक पेड़ों की कटाई का खतरा है। उन्होंने कहा कि इससे लेमरू एलीफेंट रिजर्व और हाथियों के आवागमन के प्राकृतिक मार्गों पर गंभीर असर पड़ सकता है। श्री बैज ने कहा कि हसदेव अरण्य क्षेत्र के तारा कोल ब्लॉक की नीलामी के लिए राज्य सरकार ने 11 दिसंबर 2025 को केंद्रीय कोयला मंत्रालय को पत्र लिखा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके विपरीत कांग्रेस सरकार ने 23 जून 2023 को तारा समेत नौ कोल ब्लॉकों को नीलामी से अलग रखने की मांग की थी। उन्होंने भाजपा सरकार से सवाल किया कि जब राज्य सरकार ने स्वयं तारा कोल ब्लॉक की नीलामी के लिए केंद्र को पत्र लिखा था, तो अब वह नीलामी रोकने के लिए क्या कदम उठा रही है।

हाई कोर्ट के आदेश पर जमीन खाली कराने की कार्रवाई, पीएम आवास में रहने वाले परिवार के आशियाने पर संकट

एक सत बुलेटिन, कटनी।



कुठला थाना क्षेत्र के इंदिरानगर में हाई कोर्ट के आदेश के बाद जमीन खाली कराने की प्रशासनिक कार्रवाई के बीच प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने एक मकान का मामला सामने आया है। इस कार्रवाई से वर्षों से अपने मकान में रह रहे भानु वंशकार के परिवार के सामने आशियाना छिनने का संकट खड़ा हो गया है। परिवार का कहना है कि उन्हें वर्ष 2017 में नगर निगम के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला था, जिसके बाद उन्होंने संबंधित भूमि पर मकान का निर्माण कराया और तभी से वहां रह रहे हैं। पीड़ित परिवार के अनुसार, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान स्वीकृत होने से पहले पात्रता और आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी की गई थी। ऐसे में अब जमीन खाली कराने की कार्रवाई शुरू होने से परिवार के सामने रहने की समस्या उत्पन्न हो गई है। परिवार का कहना है कि जब उन्हें सरकारी योजना के तहत आवास का लाभ दिया गया था, तब संबंधित भूमि की कानूनी स्थिति की जांच किस स्तर पर की गई थी, यह स्पष्ट होना चाहिए। मामले में यह सवाल भी उठ रहा है कि यदि भूमि को लेकर कोई कानूनी या प्रशासनिक विवाद था, तो आवास स्वीकृत करने से पहले संबंधित विभागों ने इसकी जांच क्यों नहीं की। हालांकि, भूमि के स्वामित्व और कानूनी स्थिति से जुड़े तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। हाई कोर्ट के आदेश के बाद हो रही कार्रवाई के बीच परिवार अब प्रशासन से राहत की उम्मीद कर रहा है। भानु वंशकार के परिवार ने जिला प्रशासन और नगर निगम से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा उनकी स्थिति को ध्यान में रखते हुए उचित राहत देने की मांग की है। परिवार का कहना है कि वह प्रशासन के समक्ष अपना पक्ष रखेगा और न्यायसंगत समाधान की मांग करेगा।

सेवा सेतु अभियान 'सरकार आपके द्वार' खंड स्तरीय कार्यक्रम शासकीय हाईस्कूल परा में हुआ आयोजित

एक सत बुलेटिन, भिण्ड



शासकीय हाईस्कूल परा जनपद पंचायत अटेर में सेवा सेतु अभियान 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का गत दिवस आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती संध्या राय उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, सरपंच, सचिव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के अंतर्गत कुल 350 आवेदन प्राप्त हुए एवं कार्यक्रम के दौरान मौके पर ही सामाजिक न्याय पेंशन के 14, संबल कार्ड के 04 एवं अनुग्रह सहायता के 02 तथा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत 05 पात्र हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र/स्वीकृति-पत्र प्रदान किए गए तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया गया। इस अवसर पर शासन की योजनाओं एवं सेवाओं को आमजन तक सुगमता से पहुंचाने तथा उनकी समस्याओं का मौके पर निराकरण करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

81 नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण, 69 हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रमाणपत्र वितरित

रायपुर। सेवा सेतु योजना के तहत रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-50 में विधानसभा स्तरीय सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नागरिकों की विभिन्न समस्याओं और मांगों से संबंधित कुल 105 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 19 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया, जबकि शेष 5 आवेदन नियमानुसार प्रक्रियाधीन हैं। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से 81 नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत पात्र 69 हितग्राहियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। शिविर में रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने नागरिकों से प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। शिविर में प्राप्त 5 लंबित आवेदनों में स्वच्छता से संबंधित 1 तथा खाद्य विभाग से संबंधित 4 आवेदन शामिल हैं, जिनका नियमानुसार निराकरण किया जा रहा है। विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि सेवा सेतु शिविर का उद्देश्य नागरिकों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ आसानी से उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र 69 हितग्राहियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। विधायक पुरंदर मिश्रा ने नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, जोन अध्यक्षों और पार्षदों की मौजूदगी में हितग्राहियों को प्रमाणपत्र वितरित किए।

भाजपा के सेवा संकल्प अभियान कार्यक्रम की प्रांतीय समीक्षा बैठक संपन्न

सेवा और संकल्प की भावना से ओतप्रोत जन सेवा का अभियान है : किरण देव

एक सत बुलेटिन, रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में रविवार को सेवा संकल्प अभियान की प्रांतीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में अभियान के तहत अब तक संपन्न हुए कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा देशभर में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चला रही है। 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के माध्यम से देश और प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान किया। श्री देव ने कहा कि 17 सितंबर को प्रदेश में आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में कीर्तिमान स्थापित किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और आमजनों की सहभागिता रही। यह कार्यक्रम सेवा, समर्पण और राष्ट्र के प्रति संकल्प का प्रतीक बना। सेवा संकल्प अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के सेवा ही संगठन के मंत्र को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम है। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसेवा को हमेशा सर्वोपरि रखकर कार्य किया है। श्री सिंह ने कहा कि हम सब एक ही पथ के पथिक हैं। भाजपा सत्ता में आकर समाज में परिवर्तन करती है और सेवा के माध्यम से लोगों तक पहुँचती है। कोरोना काल में जब पूरी दुनिया भयभीत थी, तब भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर पहुँचकर लोगों को आवश्यक सहायता प्रदान



की थी। संगठन के कार्यों के माध्यम से ही हमें जनता तक पहुँचना है। श्री सिंह ने 2028 के चुनाव की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा, समर्पण और संगठन के बल पर हमें जन-जन तक पहुँचकर पार्टी को और अधिक मजबूत बनाना है। महाराष्ट्र के प्रदेश संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से भाजपा समाज में मंथन का कार्य कर रही है। इस अभियान के जरिए लाखों परिवारों, युवाओं, महिलाओं एवं सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से भाजपा कार्यकर्ता सतत संपर्क कर रहे हैं। संपूर्ण समाज में जन-जागरण का अभियान चल रहा है। श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्रीमोदी ने 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, उस लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में यह अभियान भी एक महत्वपूर्ण पहल है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से हमें लाभार्थियों से संपर्क करना है और संगठन को और अधिक मजबूत बनाना है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र के लिए समर्पित रहकर देश को विकसित बनाने के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है। झारखंड के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित पार्टी है, जिसके करोड़ों कार्यकर्ता हैं और यह जनसेवा को प्रभु सेवा मानकर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की पार्टी है। श्री साय ने कहा कि देशभर के 22 राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, जो सेवा भाव के साथ कार्य कर रही हैं। भाजपा कार्यकर्ता पार्टी की मजबूती के लिए निरंतर कार्य करते हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता जनता के बीच सेवा भाव से एक सहयोगी के रूप में पहुँचता है, जिससे संगठन को मजबूती मिलती है। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सेवा संकल्प अभियान के कार्यक्रम प्रभारी यशवंत जैन ने अभियान के तहत चल रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ प्रदेश में लगभग दो करोड़ दीये जलाए गए, जो अपने आप में एक कीर्तिमान है।

मैहर सहित पूरे प्रदेश में उद्योगों और धार्मिक पर्यटन का हो रहा है अभूतपूर्व विकास

कांग्रेस के पास कुशासन का इतिहास है जबकि भाजपा के पास विकास का विजन: खण्डेलवाल

■ एक सत बुलेटिन, **मैहर/सतना/भोपाल**



भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को मैहर एवं सतना में जिला बैठकों को संबोधित कर सेवा संकल्प अभियान व सेवा सेतु अभियान के तहत उमा रेसीडेन्सी में नमो सेवा एवं प्रबुद्धजन व्यापारी सम्मेलन को संबोधित कर विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है। पार्टी कार्यकर्ता सरकार और जनता के बीच सेतु की भूमिका निभाते हैं। पार्टी कार्यकर्ता वर्ष 2003 से पहले की मध्यप्रदेश की बदहाल स्थिति के संबंध में नौजवानों व जनता को बताएं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार मैहर सहित पूरे प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। मध्यप्रदेश सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देकर विरासत भी, विकास की परिकल्पना को साकार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत वैश्विक महाशक्ति के साथ विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। कांग्रेस पार्टी की अपनी कोई विचारधारा नहीं है। देश को आजाद कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने एक मंच के रूप में कांग्रेस पार्टी का उपयोग किया था। देश के आजाद होने के बाद कुछ लोगों ने कांग्रेस का उपयोग सत्ता प्राप्ति के लिए किया। आज कांग्रेस पार्टी एक परिवार की पार्टी बनकर रह गई है। कांग्रेस के पास कुशासन का इतिहास है, जबकि भाजपा के पास विकास का विजन है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक संगठन है और कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे मजबूत कड़ी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं के वास्तविक लाभार्थियों की जानकारी भी जनता तक पहुंचाएं और जहां किसी पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, वहां उसकी आवाज सरकार तक पहुंचाने का माध्यम बनें। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से रही है। मैहर आस्था और संस्कृति की महत्वपूर्ण नगरी है। मैहर सहित प्रदेश के धार्मिक स्थलों के विकास और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार कार्य किए जा रहे हैं। मैहर की पहचान मां शारदा की आस्था के साथ-साथ मैहर घराने की शास्त्रीय संगीत परंपरा से भी जुड़ी हुई है। धार्मिक पर्यटन के विकास से स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता को राजनीति का साधन बनाया।

आज कांग्रेस परिवार आधारित दल बनकर रह गई है। भाजपा विचारधारा आधारित संगठन है और उसने अपनी मूल विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का संकल्प व्यक्त किया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त किया। जनसंघ के समय से ही भाजपा तीन तलाक और समान नागरिक संहिता जैसे विषयों को लेकर अपनी बात रखती रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाया गया।

मध्यप्रदेश पुलिस की ऑपरेशन मुस्कान के तहत प्रभावी कार्यवाही

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा गुमशुदा एवं अपहृत बालक-बालिकाओं की सुरक्षित घर वापसी के लिए 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत लगातार संवेदनशील एवं सघन प्रयास किए जा रहे हैं। बच्चों की तलाश के लिए स्थानीय स्तर पर सर्चिंग, तकनीकी विश्लेषण और सूचना तंत्र को सक्रिय करने के साथ आवश्यकता के अनुसार पुलिस टीमें प्रदेश की सीमाओं से बाहर जाकर भी कार्रवाई कर रही हैं। इन्हीं विशेष प्रयासों के परिणामस्वरूप विगत एक माह में पुलिस ने अब तक गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब, नई दिल्ली, जम्मू-कश्मीर एवं राजस्थान राज्यों से 20 बालक-बालिकाओं को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों से मिलाया है। थाना सिमरिया पुलिस ने वर्ष 2012 से गुम नाबालिग बालिका की तलाश में लगातार प्रयास जारी रखे। तकनीकी विश्लेषण एवं सूचना तंत्र के आधार पर पुलिस टीम ने पटना, बिहार पहुंचकर बालिका को सकुशल दस्तयाब किया।

कटनी–चार मामलों में दूसरे राज्यों तक पहुंची पुलिस टीम थाना माधवनगर पुलिस ने 15 वर्षीय अपहृत किशोरी को गुड़गांव, हरियाणा से सकुशल दस्तयाब कर आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं थाना एनकेजे पुलिस ने अपहृत बालिका को मुजफ्फरपुर, बिहार, चौकी निवार पुलिस ने तकनीकी एवं साइबर सहायता से गुम बालक की लोकेशन प्राप्त कर जम्मू-कटरा, जम्मू-कश्मीर तथा थाना बाकल पुलिस ने 14 एवं 15 वर्षीय दो गुम बालिकाओं को नासिक, महाराष्ट्र से सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया। थाना मुरार पुलिस ने घर से निकले दो नाबालिग भाइयों की तलाश में त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें सोनीपत, हरियाणा स्थित आश्रम से मात्र 24 घंटे में सकुशल दस्तयाब कियो।

6 अक्टूबर को रविन्द्र भवन में लगेगा पीएम सूर्य घर योजना के तहत विशेष शिविर

■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**



प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के तहत नागरिकों को रूफटॉप सोलर संयंत्र अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने तथा योजना से संबंधित विभिन्न सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 6 अक्टूबर 2026 को रविन्द्र भवन, भोपाल में विशेष सेवा सेतु शिविर आयोजित किया जाएगा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सिटी सर्किल भोपाल के महाप्रबंधक श्री प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि शिविर में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर संयंत्र के लिए पंजीयन, आवेदन, सब्सिडी, नेट मीटरिंग एवं संयंत्र स्थापना से संबंधित जानकारी और आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। उपभोक्ताओं को मौके पर ही योजना से संबंधित प्रक्रिया समझाने के साथ आवेदन एवं पंजीयन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि शिविर में उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए विभिन्न काउंटर एवं स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें उपभोक्ता पंजीयन काउंटर, वेंडर पंजीयन एवं जानकारी काउंटर, बैंक अधिकारियों के काउंटर तथा अधिकृत रूफटॉप सोलर वेंडरों के स्टॉल शामिल होंगे। बैंक प्रतिनिधियों द्वारा पात्र हितग्राहियों को सोलर संयंत्र स्थापना के लिए ऋण सुविधा, ऋण प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी जाएगी। वहीं अधिकृत वेंडरों द्वारा संयंत्र की अनुमानित लागत, स्थापना, निरीक्षण एवं नेट मीटरिंग की प्रक्रिया के संबंध में मार्गदर्शन दिया जाएगा। शिविर में पीएम सूर्य घर योजना से संबंधित वर्किंग मॉडल एवं डिस्प्ले भी लगाए जाएंगे। श्री चौहान ने बताया कि शिविर में सभी संभागों के उपमहाप्रबंधक भी उपस्थित रहेंगे, जो अपने-अपने संभागों से आने वाले उपभोक्ताओं को योजना का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं समन्वय करेंगे। इससे उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर से संबंधित जानकारी एवं प्रक्रियाओं के लिए एक ही स्थान पर आवश्यक सहायता उपलब्ध हो सकेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक जाहिद अज़ीज़ खान भी शिविर में उपस्थित रहेंगे।

स्टेशनों, एवं रेलवे कार्यालयों में व्यापक स्वच्छता गतिविधियाँ

भोपाल। पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा 2026 एवं विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत दिनांक 04 एवं 05 अक्टूबर 2026 को मंडल के प्रमुख रेलवे परिसरों में विशेष गहन सफाई अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत संबंधित विभागों द्वारा रेलवे स्टेशनों, पेंट्रीकार, बेस किचन, खानपान इकाइयों, रिटायरिंग रूम, विश्राम गृहों, कार्यालयों एवं प्रशासनिक भवनों में व्यापक साफ-सफाई की जा रही है। अभियान के दौरान यात्री सुविधाओं, कार्यालय परिसरों एवं खानपान इकाइयों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप सफाई, कचरे का उचित निस्तारण तथा परिसर को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए आवश्यक गतिविधियाँ की जा रही हैं। रेलवे परिसरों में स्वच्छता के उच्च मानक स्थापित करना।

हास्य के रंगों में जीवन और रिश्तों की उलझनों की कहानियां का मंचीय प्रदर्शन के साथ समापन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



बहुकला केंद्र भारत भवन में आयोजित चतुर्थ अखिल भारतीय सिंधी नाट्य समारोह का रविवार को तीन हास्य नाटकों की प्रस्तुतियों के साथ समापन हुआ। भारत भवन और सिंधी साहित्य अकादमी के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय समारोह वरिष्ठ रंगकर्मी सुंदर अगनानी की स्मृति को समर्पित था। अंतिम दिन मंच पर हास्य के साथ रिश्तों की पेचीदगियां, जीवन की विडंबनाएं, महत्वाकांक्षा और प्रेम के अलग-अलग रंग उभरकर सामने आए। सिंधी भाषा के सहज संवाद, चुटीले प्रसंग और कलाकारों के स्वाभाविक अभिनय ने दर्शकों को कभी ठहाके लगाने तो कभी जीवन की सच्चाइयों पर सोचने के लिए विवश किया। इससे पूर्व दिल्ली के वरिष्ठ रंगकर्मी शंकर मूलवानी को 'सुंदर अगनानी सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया। समारोह की पहली प्रस्तुति शंकर मूलवानी के निर्देशन में 'शादी शर्त सां' रही। नाटक की कथा एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जिसमें पति-पत्नी, उनकी वयस्क बेटी और घर में काम करने वाला घरेलू नौकर है। बेटी एक युवक से प्रेम करती है और दोनों विवाह का निर्णय लेते हैं, लेकिन युवक विवाह के लिए एक शर्त रख देता है। लड़की इस अनजान शर्त को लेकर नाराज होती है और विवाह से इनकार कर देती है। माता-पिता हालांकि पहले शर्त सुन लेने की सलाह देते हैं। जब लड़के के माता-पिता घर पहुंचकर विवाह में दहेज के रूप में घरेलू नौकर को मांगते हैं तो कहानी अप्रत्याशित हास्य में बदल जाती है। असामान्य मांग से उपजी परिस्थितियां, तीखे संवाद और हास्यपूर्ण पंच दर्शकों को लगातार गुदगुदाते रहे। नाटक ने हास्य के माध्यम से दहेज जैसी सामाजिक मानसिकता पर भी व्यंग्य किया। अशोक बुलानी के निर्देशन में 'जिंदगी जा रंग' ने हास्य के बीच गंभीर सामाजिक संदेश रखा। नाटक योग्यता और मेहनत के बल पर सफलता हासिल करने तथा बच्चों पर विश्वास करने के साथ अंधविश्वास से बचने का संदेश देता है। कथा 2016 में बैरागढ़ में हुई एक घटना से प्रेरित है। बैंक मैनेजर महेश का बेटा राजू क्रिकेट का दीवाना है और आईपीएल में खेलने का सपना देखता है।

निवेश के नाम पर राशि दोगुनी करने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

भोपाल । मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा आमजन को निवेश के नाम पर कम समय में अधिक लाभ का प्रलोभन देकर आर्थिक धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंडला जिले में निवेश की राशि कम समय में दोगुनी कर लौटाने का लालच देकर लोगों से राशि प्राप्त करने संबंधी प्रकरण में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 32 लाख रुपए नकद, तीन स्कूटी, एक मारुति ब्रेजा कार, एक हुंडई अल्काजार कार तथा एक मोबाइल फोन सहित लगभग 66 लाख 50 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। प्रकरण की जांच में अब तक करीब 1 करोड़ 75 लाख रुपए की धोखाधड़ी संबंधी शिकायतें सामने आई हैं। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए मंडला पुलिस द्वारा विशेष टीमों का गठन कर आरोपियों की तलाश एवं पतासाजी की गई। टीमों द्वारा नागपुर, गोंदिया, मुंबई, बालाघाट सहित विभिन्न स्थानों पर जानकारी एकत्र कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई। पुलिस की समन्वित कार्रवाई के परिणामस्वरूप गोंदिया, बालाघाट एवं मंडला से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि हुंडई अल्काजार कार पूर्व में गिरवी रखी हुई थी, जिसे आरोपियों द्वारा कथित रूप से धोखाधड़ी से प्राप्त राशि में से 11 लाख रुपए नकद देकर छुड़ाया गया था। पुलिस द्वारा धोखाधड़ी से प्राप्त राशि का वाहनों एवं अन्य वस्तुओं की खरीद में उपयोग किए जाने के संबंध में भी जांच की जा रही है।



शासकीय, निजी स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों और छात्रावासों में 1 से 19 वर्ष के बच्चों को कराया जाएगा दवा का सेवन

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर 06 अक्टूबर को 01 से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी। कार्यक्रम के तहत शासकीय एवं निजी स्कूलों, आंगनवाड़ी केंद्रों, मदरसों और छात्रावासों में बच्चों को दवा का सेवन कराया जाएगा। इसके साथ ही 20 से 49 वर्ष की ऐसी महिलाएं, जो गर्भवती अथवा धात्री नहीं हैं, उन्हें भी इस दवा का सेवन कराया जाएगा। भोपाल में लगभग साढ़े नौ लाख बच्चों को गोली का सेवन कराया जाएगा। कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को एल्बेंडाजोल दवा उपलब्ध कराई गई है। गोली के सेवन की विधि एवं इसके लाभों की जानकारी देने के लिए स्कूलों में नोडल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। स्कूलों में नोडल शिक्षक की उपस्थिति में बच्चों को दवा खिलाई जाएगी। पेट में होने वाले कृमि संक्रमण से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास प्रभावित होता है। इसका बच्चों की स्कूल में उपस्थिति एवं शैक्षणिक उपलब्धि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कृमिनाशक दवा का सेवन कराकर कृमि संक्रमण से होने वाली बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। एनीमिया का बच्चों के बौद्धिक एवं शैक्षणिक विकास के साथ-साथ शारीरिक वृद्धि पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एल्बेंडाजोल की गोली पूरी तरह सुरक्षित है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भोपाल, डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य नोडल विभागों के सहयोग से दवा का सेवन कराया जाएगा।

वन विहार में जुड़े आवास, वन्य जीवन का विकास थीम के अनुरूप संरक्षण, जागरूकता जनभागीदारी पर हो रहे विविध कार्यक्रम

भोपाल। वन्यजीव सप्ताह 2026 राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह 2026 के अंतर्गत वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में वन्यजीव संरक्षण, जैव-विविधता, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह की थीम जुड़े आवास, वन्यजीवन का विकास निर्धारित की गई है। थीम के अनुरूप आयोजित गतिविधियों में वन्यजीवों एवं उनके प्राकृतिक आवास के बीच संबंध, जैव-विविधता संरक्षण तथा मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के महत्व को प्रमुखता से रेखांकित किया जा रहा है। कार्यक्रमों में वनकर्मियों एवं उनके परिवारों के साथ विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। 4 अक्टूबर को वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में वनकर्मियों एवं उनके परिवारों के लिए फैमिली वाइल्डलाइफ डे-वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत वनकर्मियों एवं उनके परिवारों को वन्यजीव सप्ताह की गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से फैमिली वाइल्डलाइफ डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य वनकर्मियों एवं उनके परिवारों के बीच वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं सहभागिता को बढ़ावा देना तथा परिवार के सदस्यों को वन्यजीव एवं प्रकृत्ति संरक्षण से जोड़ना रहा।

प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने किया निरीक्षण, कई अनियमितताएं मिलीं

निर्धारित क्षमता से अधिक विस्फोटक सामग्री मिलने पर पटाखा फैक्ट्री सील

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



अनुविभाग बैरसिया के ग्राम बांदीखेड़ी स्थित पटाखा फैक्ट्री का प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री परिसर में निर्धारित क्षमता से अधिक विस्फोटक सामग्री का भंडारण पाए जाने सहित कई अन्य अनियमितताएं सामने आईं। नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए संयुक्त टीम ने फैक्ट्री को मौके पर ही सीलबंद कर दिया। फैक्ट्री का निरीक्षण एसडीएम बैरसिया सुश्री शिवांगी बघेल, एसडीओपी सुश्री वैशाली सिंह, तहसीलदार सुश्री दुर्गा पटले एवं थाना प्रभारी गुनगा श्री रिंकू जाटव द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। निरीक्षण के दौरान परिसर में विस्फोटक सामग्री के निर्धारित सीमा से अधिक भंडारण के साथ ही सुरक्षा एवं संचालन से संबंधित अन्य अनियमितताएं भी पाई गईं। प्रशासन के अनुसार, जांच में सामने आई अनियमितताएं विस्फोटक अधिनियम, 1884 एवं विस्फोटक नियम, 2008 के प्रावधानों के उल्लंघन की श्रेणी में पाई गई। इसके बाद प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री को सील कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विस्फोटक सामग्री के निर्माण, रख-रखाव एवं भंडारण में निर्धारित सुरक्षा मानकों और वैधानिक प्रावधानों का पालन अनिवार्य है। किसी भी प्रकार की लापरवाही से जनसुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो सकता है, इसलिए नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और विस्फोटक सामग्री से संबंधित गतिविधियों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



जेन ज़ी नहीं तरुण भारत, नए आयाम को स्वीकार कीजिए

भोपाल । जिसे आप जेन ज़ी कहते हैं, मैं उन्हें तरण भारत कहता हूं। पूरी दुनिया में तरुण भारत जो चमत्कारिक कार्य कर रहा है, वह हम सभी के लिए आश्चर्यजनक है। नई पीढ़ी और हमारे बीच में सोच का अंतर हो सकता है लेकिन नई पीढ़ी गलत दिशा में ही सोचेगी ऐसा मानने का कोई कारण मुझे समझ में नहीं आता है। वर्तमान समय पीढ़ी के परिवर्तन की बेला है। हम सबको अपनी सोच को व्यापक करना चाहिए, नए आयामों को स्वीकार करना चाहिए और भविष्य संभालने वाली पीढ़ी का स्वागत करना चाहिए। मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने यह आह्वान स्टेट प्रेस क्लब मध्यप्रदेश द्वारा इंदौर में आयोजित भारतीय पत्रकारिता महोत्सव में किया। क्या जेन ज़ी बनेंगे भारत के खेवनहार विषय पर आयोजित इस महोत्सव के अंतिम दिन बतौर मुख्य अतिथि मौजूद विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि हमारी संस्कृति परिवर्तन को प्रकृति का नियम मानती है। जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता है वैसे-वैसे नई पीढ़ी आती है। नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के सच में अंतर स्वाभाविक है। परिवर्तन की प्रक्रिया स्वाभाविक है। विदेशों में मोदीजी के कार्यक्रमों में शामिल तरुणाई के योगदान और अन्य देशों में किए जा रहे कार्यों को देख कर हम सभी को प्रसन्न होना चाहिए। नई पीढ़ी पर हमारा विश्वास और मजबूत होना चाहिए।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088